मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 130
शुक्रवार, 21 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

दसवीं बार नीतीश कुमार ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

- 26 मंत्रियों में एक मुस्लिम, 3 महिलाएं और 3 फर्स्ट टाइमर
- नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल हुए 10 नए चेहरे
- एनडीए की बहुमत सरकार फिर पटना की गरिमा

सुरेश गांधी

पटना। बिहार की राजनीति में गुरुवार एक ऐतिहासिक दिन रहा. यह दिन बेहद अहम रहा, एनडीए को चुनाव में मिली बंपर जीत के बाद राजधानी पटना में शपथ ग्रहण का आयोजन हुआ. नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी उपमुख्यमंत्री पद के लिए शपथ ली. साथ ही एनडीए के अन्य सहयोगी दलों के नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली. जिनमें बीजेपी के 14 और जदयू के 8 मंत्री शामिल हैं. नए मंत्रियों में एक मुस्लिम, तीन महिलाएं और तीन नए विधायक भी शामिल हैं.

पटना के गांधी मैदान में हुआ यह शपथ ग्रहण समारोह राजनीतिक रूप से खास रहा, क्योंकि इसमें न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे, बल्कि इस समारोह में मोदी-शक्ति की झलक भी दिखी. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, गुजरात के भूपेंद्र पटेल समेत कई बड़े नेता मंच पर मौजूद रहे. समारोह में प्रशासनिक तैयारी जितनी मजबूत थी, राजनीतिक संदेश उतने ही गहरे थे. मंच पर मोदी और नीतीश साथ बैठे दिखे. दोनों के बीच हुई गर्मजोशी भरी बातचीत और मुस्कुराते हुए तस्वीरें बिहार की नई राजनीतिक समझदारी का संकेत मानी जा रही हैं. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, गुजरात के भूपेंद्र पटेल समेत कई बड़े नेता मंच पर मौजूद रहे.

गांधी मैदान को पूरी तरह सजाया-संवारा गया था. हजारों की संख्या में जदयू-भाजपा कार्यकर्ता और आम लोग समारोह में शामिल हुए. मंच पर ह्यबिहार में फिर एक बार-- नीतीश कुमारह्ण के नारे गूंजते रहे. इस कार्यक्रम ने दिल्ली और पटना के रिश्तों में एक नई रफ़्तार ला दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य वरिष्ठ एनडीए नेताओं ने अपनी मौजूदगी से नए मंत्रिमंडल को राष्ट्रीय स्तर की स्वीकृति दी। समारोह के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर जनता की सेवा करेंगे, वहीं नीतीश कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाना है. नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल में 10 नए चेहरों को मौका दिया है। गुरुवार को उनके साथ कुल 25 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें अधिकतर पुराने चेहरे थे। इसमें रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह, रमा निषाद और अरुण शंकर प्रसाद जैसे नेता शामिल हैं। इस लिस्ट में तीन संजय भी शामिल हैं।

कैबिनेट और गठबंधन का संतुलन नए मंत्रीमंडल में कुल 26 और 27 सदस्यों के बीच संतुलन बनाया गया है। मंत्रिमंडल में अलग-अलग दलों का प्रतिनिधित्व है, 14 मंत्री भाजपा से, 8 मंत्री जेडयू से, और इसके अलावा एलजेपी (रामविलास), एचएएम-एस, और आरएलएम के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। खास यह है कि इस टीम में ह्यपुराने और नए चेहरेह्ण का मिश्रण है, जातिगत और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए, दलित, ओबीसी/ईबीसी और उच्च जाति के नेताओं को शामिल किया गया है। दो उपमुख्यमंत्रियों की भूमिका में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को फिर से नियुक्त किया गया है, जिससे गठबंधन में स्थिरता और कांटीन्यूटी का संदेश मिलता है।

जनादेश और भविष्य की राह

इस बार के विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 243 सदस्यों में से 202 सीटें जीतीं, जिससे इसे स्पष्ट जनादेश मिला है। यह जनादेश बताता है कि बिहार की जनता ने विकास-वाद और सुशासन को प्राथमिकता दी है। नितीश कुमार की वापसी केवल राजनीतिक पुनरावृत्ति नहीं है, यह गठबंधन की मजबूत पकड़ और बड़े राजनीतिक अनुभव का संकेत है। उनका दसवां कार्यकाल यह दशार्ता है कि वे न सिर्फ सत्ता में लौटे हैं, बल्कि बिहार के ह्यनए विकास अध्यायह्ण के सूत्रधार बनना चाहते हैं।

चुनौतियाँ और उम्मीदें

बिहार के सामने पहले जैसे विकास-कार्य और सुशासन के मॉडल को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है। नए मंत्रिमंडल पर दबाव रहेगा कि वे अपने वादों को जमीन पर उतारें, खासकर बुनियादी ढाँचा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर।

गठबंधन में संतुलन बनाए रखना होगा विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक समूहों के बीच भरोसे की एक नाजुक गठबंधन है, जिसे सावधानी से संभालना होगा। नितीश कुमार की दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने की दिलचस्प कहानी सिर्फ सत्ता की वापसी नहीं है, बल्कि वह बिहार की राजनीति में अनुभव, गठबंधन और उम्मीदों का नया संयोजन है। यह नया सरकार वादा करती है कि पिछली सफलताओं को दोहराने के साथ-साथ बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों की ओर ले जाएगी। लेकिन चुनौतियां बड़ी हैं, और जनता की निगाहें इस सरकार पर होंगी, क्या यह नया सफर ह्यस्वर्णिम बिहारह्ण की परिकल्पना को हकीकत में बदल पाएगा?

जब सीएम नीतीश कुमार ने छुए पीएम मोदी के पैर नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. शपथ ग्रहण समारोह मेप्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए. इस कार्यक्रम के खत्म होने के बाद सीएम नीतीश प्रधानमंत्री मोदी को पटना एयरपोर्ट छोड़ने गए. पटना एयरपोर्ट पर प्रदेश की नई राजनीति का सबसे प्रतीकात्मक दृश्य देखने को मिला. प्रधानमंत्री के जाने के समय नीतीश ने उनके चरण छुए, लेकिन मोदी ने स्नेह पूर्वक उन्हें रोक लिया, यह पल राजनीतिक शिष्टाचार और आपसी सम्मान का प्रतीक बण्न गया

नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर तेजस्वी यादव ने दी बधाई

पटना, 20 नवम्बर। नीतीश कुमार के लगातार पांचवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी। बिहार के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद तेजस्वी ने ट्वीट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएँ जिन्होंने मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली है।

राजद नेता ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि नई सरकार ज़िम्मेदार नागरिकों की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरी उतरेगी, अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी और बिहार के लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक बदलाव लाएगी। नीतीश कुमार ने ऐतिहासिक पाँचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस तरह वे राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं और उन्होंने रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ भी ली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए के अन्य प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी बिहार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। दोनों उपमुख्यमंत्रियों के अलावा 18 कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। बिहार चुनाव में करारी हार के बाद तेजस्वी की पार्टी ने शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि चुनाव में उतार-चढ़ाव आना तय है और पार्टी गरीबों की आवाज उठाती रहेगी।

नीतीश कुमार के सीएम पद पर वापसी पर अखिलेश की बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी और पूरे पाँच साल के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में, अखिलेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद पर लौटना बिहार के राजनीतिक परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाने वाले नीतीश कुमार विकास और सामाजिक न्याय पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य का नेतृत्व करेंगे। अखिलेश यादव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नीतीश कुमार ने समाजवादी मूल्यों पर आधारित शासन की लगातार वकालत की है और आशा व्यक्त की कि उनका नया कार्यकाल समावेशिता, कल्याणकारी नीतियों और जनहितैषी निर्णय लेने के सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करेगा। उन्होंने कहा कि मैं श्री नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं उनकी मूल समाजवादी विचारधारा पर आधारित एक स्वतंत्र शासन मॉडल को अगले पाँच वर्षों तक सफलतापूर्वक चलाने और लोगों के लिए सकारात्मक और कल्याणकारी पहल सुनिश्चित करने की भी कामना करता हूँ। समाजवादी पार्टी के नेता ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश गहरे सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक संबंध साझा करते हैं और आशा व्यक्त की कि दोनों पड़ोसी राज्य क्षेत्रीय विकास के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। नीतीश कुमार ने आज दिन में अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ शपथ ली।

सेना के खिलाफ टिप्पणी: न्यायालय ने राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। उच्चतम न्यायालय ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि

2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

आदिवासी समुदायों का विकास प्राथमिकता, उग्रवाद पर लगामः राष्ट्रपति

छत्तीसगढ़, 20 नवम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अंबिकापुर में बिरसा मुंडा सहित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुईं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय है। आदिवासियों का विकास भारत सरकार की प्राथमिकता है। आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की योजनाएँ विकसित और कार्यान्वित की गई हैं।

राष्ट्रपति ने राज्य की प्रगति के लिए लोगों को बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के लोगों को उनकी प्रगति के लिए बधाई देती हूँ। उन्होंने अभी-अभी राज्य गठन की रजत जयंती मनाई है। मुझे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली (झारखंड में) जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समुदायों का योगदान अतुलनीय रहा है। छत्तीसगढ़ आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। झारखंड और ओडिशा छत्तीसगढ़ से ज्यादा दूर नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है, जो सार्वजनिक स्थानों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

मुर्मू ने कहा कि जब मैं हेलीपैड से यहाँ आ रही थी, तो रास्ते में छत्तीसगढ़ की संस्कृति साफ दिखाई दे रही थी। राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है जो बहुत प्रभावशाली और मनभावन है... मुझे आदिवासी होने पर बहुत गर्व है। आदिवासी कला और संस्कृति को देश के साथ-साथ विदेशों में भी और अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ सहित देश भर के लोग वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुव्यवस्थित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा।

इससे पहले, राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के अंबिकापुर पहुँचने पर राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी छत्तीसगढ़ दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है।

जगन मोहन रेड्डी हैदराबाद में सीबीआई अदालत में पेश

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी करीब छह साल बाद कथित अवैध लेन-देन संबंधी मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुये। वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफमुकदमा लंबित है, जिसमें कथित अवैध लेन -देन मामले में वह मुख्य आरोपी हैं। जगन के खिलाफ 11 आरोप पत्र दायर हैं। ये मामले अलग-अलग कंपनियों द्वारा उनकी फर्मों में किए गए निवेश से जुड़े हैं, जो उनके पिता स्वर्गीय वाई एस राजशेखर रेड्डी के 2004 से 2009 के बीच अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान उन्हें दिए गए अलग-अलग फायदों के बदले में किए गए थे।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

-ललित गर्ग

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा।

नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए।

मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से “लाल गलियारा” कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दशार्ता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक “नक्सलमुक्त भारत” अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दशार्ता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी। आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागजों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे। माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को “नक्सलवाद मुक्त भारत” बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

जेन-जी आंदोलन अन्य वैश्विक देशों में विस्तारित

संजीव ठाकुर

जेन जी की विद्रोही चेतना नेपाल की शांत पर्वतीय वादियों से उठकर अब मेक्सिको तक पहुंच गई है नेपाल में जहां अब तक 10 अरब का नुकसान हो चुका है वहीं दूसरी तरफ युवाओं ने नेपाल में सत्ता परिवर्तन भी कर दिया है। युवाओं के विद्रोह की यह ज्वाला मेक्सिको सिटी समेत कई अन्य स्थानों पर पहुंच चुकी है। मेक्सिको देश में युवा प्रदर्शन कारियों ने पुलिस पर पत्थरों और लाठियां से हमला किया पुलिस के हथियार छीन लिए। मेक्सिको के सुरक्षा सचिव पाब्लो बाज्कवेज के अनुसार लगभग 120 लोग घायल हुए हैं जिसमें 100 पुलिस कर्मचारी हैं।

मेक्सिको के युवाओं का कहना है कि वह भ्रष्टाचार एवं हिंसक अपराधों के लिए दंड से मुक्ति जैसी समस्याओं से निराशा है 1 नवंबर को मेक्सिको में वहां के महापौर कार्लोस मंजो की एक सार्वजनिक सभा में गोली मारकर हत्या कर दी गई इससे युवा वर्ग काफी आक्रोश में है मेक्सिको के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड सेलिनास ने युवाओं के समर्थन में संदेश प्रसारित किया है। उल्लेखनीय है कि नेपाल में 1990 के दशक के अंत हुआ 2010 के प्रारंभ के बीच जन्मे लोगों ने इस वर्ष देश में असमानता अलोकतांत्रिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद सितंबर में सबसे बड़ा जेन जी आंदोलन हुआ था जिसके कारण देश के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। इसके अलावा (बेरोजगारी भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता से त्रस्त युवा पीढ़ी ने अब तक पिछले 1 साल में केन्या, बेडगास्कर, मोरक्को और बहुत बोत्सवाना जैसे देश में प्रदर्शन कर चुकी है) फिलिपींस में भी युवाओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ भारी प्रदर्शन किया है। यह उग्र प्रदर्शन नेपाल से निकलकर मेक्सिको की उग्र वास्तविकताओं तक पहुँच गया है, और यह यात्रा केवल प्रेरणा-के लिए नहीं बल्कि आज की दुनिया के तथ्यों और संवेदनशील अनुभवों का दस्तावेज बन जाती है। जब उन्होंने नेपाल में संघर्षग्रस्त पहाड़ों और विस्थापितों की पीड़ा दिखि, तब उन्हें समझ आया था कि यह सम्राज्य-कालीन या एक-देशीय व्यवस्था का प्रश्न नहीं बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न है। इतने अनुभवों के बाद जब वे मेक्सिको पहुँचे, उन्होंने वहाँ न केवल पृष्ठभूमि समझी बल्कि ताजा घटनाओं में खुद उनकी आँखें गहरी उतर गईं – जैसे कि 2025 के उस भयानक मर्डर-वेव ने, जिसमें सिनालोआ राज्य में कार्टेल विद्रोह ने नए स्तर छू लिये। जून 2025 में 20 लोग मारे गए उनमें से चार शव एक पुल पर लटकाये गए, 16 शव एक वैन में मिले, उनमें से एक का सिर एक बैग में था। इस अत्याचार ने जेनरीय कानूनी एवं सुरक्षा नीतियों पर सवाल खड़े कर दिए कि क्या राज्य प्रणाली उन लुटी हुई जानों को बचा पाने में सक्षम है। जैन जी ने ऐसे दृश्य कल्पना नहीं किये थे लेकिन वहाँ जब उन्होंने स्थानीय लोगों की आँखों में भय देखा, जब उन्होंने उन परिवारों से मिले जिनके प्रियजन गायब हैं, तब उन्होंने महसूस किया कि उनके नेपाल-और-तुर्की अनुभव इस मेक्सिको की क्रूर हकीकत से कलात्मक रूप से नहीं बल्कि वास्तविक रूप से जुड़े हैं।

मेक्सिको में हाल-फि लहाल की घटनाओं में एक और उल्लेखनीय तथ्य है कि देशव्यापी प्रदर्शनों की लहर उठी है, नवंबर 2025 में मेक्सिको सिटी सहित कई शहरों में हजारों युवा और अन्य नागरिक सड़कों पर उतरे, उन्होंने बढ़ती अपराध, भ्रष्टाचार और सत्ताधारी ढांचे की चुप्पी के खिलाफ आवाज उठाई। इस आंदोलन में मुख्य रूप से जनरेशन जी नामक समूह सामने आया, जिसने एक 12-बिंदु मांग-पटल जारी किया और कहा कि उनके लिए यह सुरक्षा का नहीं, न्याय का आंदोलन है। यह जैन जी जैसे विचारकों के लिए एक साझी स्पर्श बिंदु बन गया—उन्होंने महसूस किया कि विद्रोह की प्रेरणा से कहीं बढ़कर यह दायित्व बन जाता है कि हम मात्र पीड़ा देखें नहीं बल्कि उसे व्यक्त करें, साझा करें, उसका सामना करें। मेक्सिको में एक अन्य भयावह तथ्य यह है कि कार्टेल्स ने अब सिर्फ ड्रग कारोबार नहीं चलाया बल्कि गायब कर देना, बलात्कार-हत्या, मास ग्रेव जैसे जुल्म-रूपों को अपनाया है। उदाहरण के लिए, जेलिस्को राज्य में 2025 मार्च में उस “रैंचो इजागुइरे” नामक स्थल की खोज की गई, जिसे निलंबन-शिविर के रूप में देखा गया, जहाँ हजारों जूतों, कपड़ों, मानव अवशेषों के अवशेष मिले, तथा सक्रिय भर्ती-संकुल के संकेत मिले। जैन जी ने जब उस स्थल की रिपोर्ट-लाइन पढ़ी तो उन्होंने इसे सिर्फ अपराध की कथा नहीं माना बल्कि लोकतंत्र और नागरिक संरक्षण की विफलता का प्रतीक माना। उन्होंने देखा कि कैसे सामान्य युवाओं को सुरक्षा गार्ड की नौकरी का झांसा देकर वहां बुलाया जाता था, फिर उनका रास्ता कट जाता था। यह नेपाल में उनके देखे गये विस्थापन-संकट से कितना भिन्न और कितना समान था—भिन्न इसलिए कि वहां सरकारी युद्ध-स्थिति थी, समान इसलिए कि दोनों जगह नागरिक को उसके अधिकार से वंचित किया गया था।

वे यह भी जान पाए कि मेक्सिको सरकार ने इन चुनौतियों के बीच कुछ कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ा है—2025 की गर्मियों में मेक्सिको ने 26 ड्रग ट्रेडर्स को अमेरिकी जेलों में स्थानांतरित किया था, लगभग 1000 सैन्य एवं पुलिसकर्मियों को इस ऑपरेशन में तैनात किया गया था। यह एक संकेत है कि जैन जी का वैश्विक दृष्टिकोण “विद्रोह अकेले नहीं बनेगा” बात सही है वैश्विक शक्ति-संघ भी पीड़ा के सामने आ रही है। पर यह भी सच है कि सहयोग बढ़ने के बावजूद स्थिति में तत्काल सुधार नहीं दिखा—कार्टेल युद्ध, गायब व्यक्तियों की संख्या, और मानवाधिकार उल्लंघन जारी हैं।

मेक्सिको में जैन जी ने इस संवेदनशील निष्कर्ष पर पहुँचने का अनुभव किया कि जागरूकता कुछ करती है, पर संवेदनशील कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने चियापास में आदिवासी समुदायों के साथ बिताए दिनों के अनुभव से यह जाना कि जब आधिकारिक आंकड़े कहते हैं घायलों की संख्या कम हुई, वहाँ जमीन पर लोग कहते हैं हम अब भी रोज डरते हैं। वहीं, ताजा प्रोटेस्ट-मूवमेंट ने यह दिखाया कि भय को अब गाली नहीं, आवाज मिल रही है लेकिन क्या आवाज व्यवस्था तक पहुँच रही है, यह बड़ा सवाल है। उनकी डायरी में एक दिन लिखा- मेक्सिको की गलियों में न तो कविता सुनाई देती है, न चुप्पापन यहाँ सिर्फ चीख है जिसे सुनने वाला कम है।

नेपाल की यात्रा से उन्होंने समझा था कि संघर्ष केवल बंदूकों का नहीं, सूखी भूख का, विस्थापन का, मानसिक टूट-फूट का भी होता है। मेक्सिको में वे इसे प्रत्यक्ष मगर अब आधुनिक रूप में देख रहे हैं ड्रग-कार्टेल की गोली नहीं, उसकी शाखों में फैली निराशा नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था की टूट-फूट है। उदाहरण के लिए गुआनाजुआतो राज्य में जून 2025 में एक धार्मिक उत्सव के दौरान हुई गोलीबारी में 12 लोग मारे गए थे, जिसमें 17 वर्षीय युवक भी शामिल था। इस तरह की घटनाएँ जैन जी के लिए यह दिखाती हैं कि विद्रोह केवल सत्ता के खिलाफ खड़े होने का नाम नहीं, बल्कि समय पर खड़े होने का नाम भी है क्योंकि बंद गोली पुनरावृत्ति करती है, लेकिन उस घाव की संवेदनशीलता जो पीछे छूट जाती है, शायद कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। इसलिए जैन जी ने अपने मेक्सिको-दौर में यह निर्णय लिया कि अब केवल दस्तावेज बनाना पर्याप्त नहीं है—उन्हें सक्रिय रूप से स्थानीय संगठनों के साथ जुड़ना था, संवाद करना था, और उन आवाजों को विश्व-मंच तक पहुँचाना था जो अक्सर या तो दब जाते हैं या गुम हो जाते हैं। उन्होंने मेक्सिको सिटी में आयोजित एक सार्वजनिक मंच पर कहा- यहाँ हमारा विरोध कि सिर्फ बंदूक से मारा गया है या नहीं, वो मायने नहीं रखता, मायने ये रखता है कि हमारे यहाँ हर दिन एक माँ डर के साथ सोती है कि उसके बच्चे वापस नहीं आएँगे। इस वक्तव्य में नेपाल की विस्थापित माँ चियापास की खोई हुई बेटी दोनों की पीड़ा समाहित थी।

आखिर में जेन जी की इस यात्रा का महत्व यह है कि वो हमें याद दिलाती है कि ताजा घटनाएँ केवल खबरें नहीं हैं कि मानव जीवन जिंदा है। मेक्सिको में हाल-ही में हुए प्रोटेस्ट, दमन, कार्टेल हिंसा और राज्य-सहयोग की घटनाएँ जैन जी की कथा को सिर्फ पृष्ठभूमि नहीं बनाती, बल्कि उसे वर्तमान को बोलने वाला, भविष्य को आगाह करने वाला स्वर देती हैं। नेपाल की शांत पहाड़ियों से निकलकर मेक्सिको की ये भीषण गलियाँ यह दिखाती हैं कि विद्रोह लोक-मानस की सुनी हुई पुकार बन सकता है—जब उसमें संवेदनशीलता हो, तथ्य हों, और उससे जुड़ी कार्रवाई हो।

यह बातें हमें यह सोचने पर मजबूर करतीं हैं कि अगर जैन जी जैसे विचारक-आंदोलनकारी जो बांग्लादेश से लेकर नेपाल से यूरोप तक चले मेक्सिको में आज मौजूद इन जटिल संकटों से गहराई से जुड़े हैं, तो हम-सभी को भी यह जिम्मेदारी उठानी होगी कि यह संघर्ष सिर्फ उनकी यात्रा नहीं बल्कि हमारी साझा मानवता की यात्रा बने।

जैन जी की नेपाल से मेक्सिको तक की यात्रा किसी राजनीतिक सिद्धांत की पुस्तक नहीं, बल्कि दुनिया के उन लोगों की कहानी है जिन्हें इतिहास अक्सर अनदेखा कर देता है। उनके लिए यह यात्रा केवल दस्तावेज तैयार करने का क्रम नहीं था; यह एक भावनात्मक रूपांतरण था—जहाँ उन्होंने सीखा कि दर्द का भूगोल नहीं होता, आँसू किसी भाषा में अनुवाद की जरूरत नहीं रखते, और अन्याय चाहे कहीं भी हो, उसकी संरचना एक जैसी रहती है। नेपाल की पहाड़ियों से लेकर मेक्सिको की घाटियों तक जैन जी की यह संवेदनशील और तथ्यपूर्ण यात्रा यही सिद्ध करती है कि संघर्ष का स्वरूप भले बदलता रहे, पर मानवता का पक्ष हमेशा एक ही होता है सत्य, करुणा और न्याय का।

शिक्षा और आधुनिकता की चमक के भीतर पलते आतंक के कुटिल चेहरे

इतिहास के पन्ने पलटें तो यह भ्रम टूट जाता है कि आतंकवाद किसी अनपढ़ की देन है। दुनिया ने दो दशक पहले वह दिन देखा था जब अमेरिका की धरती पर आकाश की ऊंचाइयों में उड़ते हवाई जहाज पढ़े लिखे जाहिल लोगों के हाथों ही मौत के औजार बन गए थे। वे युवक मशहूर विश्वविद्यालयों में पढ़े थे, तकनीकी ज्ञान रखते थे, पश्चिमी समाज को समझते थे और उसी समझ का सहारा लेकर उन्होंने उस समाज पर वार किया था जिसने उन्हें प्रगति के अवसर दिए थे। शिक्षा और आधुनिकता की चमक के भीतर छिपे कट्टरपन और कुटिलता ने दिखा दिया कि पढ़ा लिखा होना विवेक का पर्याय नहीं होता, बल्कि कभी कभी यह कट्टर मानसिकता को और अधिक सुसंगठित कर देता है।

आज उसी कट्टरपंथी इतिहास की धमक हमारे दरवाजे तक आ पहुंची है। दिल्ली में लाल किले के पास जो ब्लास्ट की वारदात हुई उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि घर का दीपक भी आग फैला सकता है।

डॉक्टर, जो जीवनदाता माने जाते हैं, जिनके पास जाते हुए मरीज अपना भय किनारे रख देता है, जिनके सफेद कोट को पवित्रता की पहचान माना जाता रहा है, वही अगर सामाजिक विश्वास को भेदने लगें तो यह न केवल सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि समाज की आत्मा के लिए भी पीड़ादायक है। ऐसी वारदात किसी एक व्यक्ति के अपराध से आगे बढ़कर व्यवस्था के भीतर छिपी उन दरारों का संकेत देती है जिनसे होकर कट्टर विचार मन में प्रवेश कर जाते हैं और धीरे धीरे किसी को ऐसी राह पर ले जाते हैं जहाँ वह अपनी शिक्षा और ज्ञान को विनाशकारी उद्देश्य में लगा देता है। जहां वह खुद अपनी जान की परवाह नहीं करता। दुनिया की सारी व्यवस्था इसी सिद्धांत पर आधारित है कि हरेक को उसकी जान प्यारी होती है। सारी बीमा योजनाएं भी इसी सिद्धांत पर निर्भर हैं।

यह मामला अधिक गंभीर इसलिए है क्योंकि पढ़े लिखे लोग जब कट्टर भावनाओं के बहाव में आ जाते हैं तो वे योजनाएं बनाते हैं, नेटवर्क तैयार करते हैं और अपनी योग्यता का दुरुपयोग करके उस गलत रास्ते को मजबूत करते हैं जिस पर हिंसा की फसल उगती है। शिक्षा उन्हें साधन देती है, लेकिन यदि मन विचलित हो जाए तो वही साधन विनाश के सूत्र बन जाते हैं। डॉक्टरों जैसे पेशेवरों के पास सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और ज्ञान की शक्ति होती है। इस कारण वे अपने आसपास के लोगों को भी प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। उनके भीतर कट्टरता का बीज यदि पनपता है तो यह साधारण अपराध की तुलना में कहीं अधिक घातक है। ऐसे लोगों के अपराध ज्यादा बड़े इसलिए माने जाने चाहिए क्योंकि वे समझ बूझ कर अपने कुटिल मकसद को अंजाम देते हैं।

वास्तविक समस्या यह है कि हम शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित मान बैठे हैं। हमने यह मान लिया कि ज्ञान का होना अपने आप में नैतिकता और विवेक का प्रमाण है। जबकि सच्चाई यह है कि मन के भीतर पैदा होने वाले खालीपन को कोई डिग्री नहीं भर सकती। जब पहचान खो जाती है, जब जीवन के तनाव दिशाहीन करते हैं, जब समाज से संवाद टूट जाता है, तब व्यक्ति ऐसे विचारों के लिए संवेदनशील हो जाता है जो उसे असंतोष का कोई झूठा समाधान देकर आकर्षित करते हैं। यही वह घड़ी होती है जहां आतंकवादी संगठन अपनी धूर्तता से ऐसे दिमागों को जाल में फंसाते हैं।

समाज को अब यह स्वीकार करना होगा कि रोकथाम केवल सुरक्षा एजेंसियों का काम नहीं है। विश्वविद्यालयों को ऐसे वातावरण की आवश्यकता है जहां विचारों की पारदर्शिता हो, जहां संवाद की संस्कृति जीवित रहे, जहां असहमति को शत्रुता न समझा जाए। शिक्षा संस्थानों में नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं को उतना ही महत्व मिलना चाहिए जितना तकनीकी कौशल को। डॉक्टरों, इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता और नियमित संवाद सत्र आवश्यक हैं ताकि भीतर जमा तनाव कट्टर सोच की खाद न बन जाए।

धर्म और समुदाय के क्षेत्र में भी पारदर्शिता की जरूरत है। पुरानी धार्मिक किताबों की सही व्याख्या आवश्यक है। धार्मिक गुरुओं का यह दायित्व है कि वे अपने अनुयायियों में संवाद की रीति विकसित करें, जिज्ञासाओं को दबाने के स्थान पर उन्हें विवेकपूर्ण दिशा दें। समाज के भीतर ऐसे मंच विकसित होने चाहिए जहां व्यक्ति अपने मन की उलझनें खुले रूप में व्यक्त कर सके। कट्टरपंथ किसी धार्मिक तर्क से नहीं, बल्कि अकेलेपन, अवसाद, या उपेक्षा से जन्म लेता है। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि डिजिटल दुनिया ने कट्टरताओं को पंख दे दिए हैं। पढ़ा लिखा व्यक्ति तकनीकी दक्षता के कारण गलत सूचनाओं और उग्र विचारों के प्रभाव में तेजी से आ सकता है। इसलिए डिजिटल साक्षरता केवल तकनीक सीखना नहीं, बल्कि यह समझना भी होना चाहिए कि कौन सी सूचना हमें विवेक से दूर ले जा रही है और किस विचार के पीछे छिपा उद्देश्य हमारी पहचान को गलत दिशा में मोड़ रहा है।

समाज में पुनर्स्थापन की व्यवस्था भी होनी चाहिए ताकि यदि कोई व्यक्ति गलत राह पर चल पड़ा है, तो उसे केवल दंड नहीं, बल्कि वापस लौटने की संभावना भी दी जाए। भय से नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण से ही व्यवस्था मजबूत होती है। दिल्ली की घटना एक चेतावनी है कि आतंकवाद अपने रूप बदल रहा है। अब वह वंचितों या हिंसा को पेशा बनाने वालों तक सीमित नहीं रहा। वह सम्मानित पेशों के भीतर भी घुस सकता है, उनके रूप में छिप सकता है और समाज के विश्वास को हथियार बना सकता है। इसीलिए हमें अपने घर, अपने शिक्षण संस्थानों और अपने समाज की उन दरारों को पहचानना होगा जिनसे होकर कट्टरता भीतर प्रवेश करती है। तब ही हम उस भविष्य को सुरक्षित रख सकेंगे जहाँ डॉक्टर अस्पतालों में जीवन बचाते हुए दिखें, न कि विस्फोटक योजनाओं में संलिप्त हो। शिक्षा को ज्ञान का दीपक तब ही माना जा सकेगा जब उसके साथ मन का उजाला भी जुड़ा हो।

(विवेक रंजन श्रीवास्तव - विनायक फीचर्स)

भारत-अमेरिकी बनते बिगड़ते राजनीतिक-व्यापारिक समीकरण

मेश कृष्णराव लांजेवार

आज देश में बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण आम आदमी के सामने एक बड़ी चुनौती है। इसके कारण हर किसी की ज़िंदगी दिन-ब-दिन बर्बाद होती जा रही है। भ्रष्ट लोग जाने-अनजाने देश के 140 करोड़ लोगों का खून पी रहे हैं और आज भी पीते हुए देखे जा रहे हैं। भ्रष्ट लोग भ्रष्टाचार करते हैं लेकिन इसे छिपाने के लिए सिर्फ. नाम की कमेटी बना दी जाती है और भ्रष्ट लोगों पर पर्दा डाल दिया जाता है। इससे भ्रष्ट लोगों का बाल भी बांका नहीं होता और उनका हौसला और बढ़ जाता है। यही आज की असली स्थिति है। बाद में धीरे-धीरे भ्रष्ट लोग अपने आप छूट जाते हैं और आम नागरिक, गरीब, किसान, मजदूर और बेरोजगार इस भ्रष्टाचार के बोझ तले दब जाते हैं। इसलिए सवाल उठता है कि आतंकवादी देश के कट्टर दुश्मन हैं और उन्हें खत्म किया जाना चाहिए, और उन्हें तब तक कड़ी सजा दी जानी चाहिए जब तक वे मर न जाएं। भ्रष्ट लोगों को भी यही सजा मिलनी चाहिए। क्योंकि जो भ्रष्ट नेता वामपंथी तरीकों से पैसा कमाते हैं और गरीबों और किसानों का खून पीकर करोड़पति बनते हैं, उन्हें भी आतंकवादियों जैसी ही कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह भी उतना ही सच है कि भारत भ्रष्टाचार से तभी मुक्त होगा जब वे ऐसा करेंगे। इसी तरह, सरकार को भ्रष्टाचार करने वाले और विदेशों में करोड़ों से लेकर अरबों रुपये जमा करने वाले कई घोटालेबाजों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। भारत एक कृषि प्रधान देश है, लेकिन धन-दौलत में करोड़पति होने के बावजूद, हमारे किसान आर्थिक रूप से कमजोर हैं, और मुट्ठी भर राजनीतिक नेता वामपंथी भ्रष्टाचार के जरिए करोड़ों रुपये कमाते और 140 करोड़ लोगों, किसानों, गरीबों और आम लोगों का खून पीते हुए देखे जाते हैं, जाने-अनजाने में। बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण देश में हजारों समस्याएँ पैदा हो गई हैं, जिन्हें हम गिन भी नहीं सकते। मौजूदा हालात में, देश का अन्नदाता, किसान, देश में सबसे ज्यादा दुखी होगा। लेकिन किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने के बजाय, मुट्ठी भर राजनीतिक नेता भ्रष्टाचार के जरिए उनके जख्मों पर नमक छिड़कते हुए देखे जाते हैं। आज अगर देश में सबसे अमीर लोग सबसे अमीर हैं, तो मुट्ठी भर पॉलिटिकल लीडर्स को बारिश, ठंड, सुनामी, बेमौसम बारिश, गीला सूखा, सूखा सूखा की भी चिंता नहीं है। क्योंकि ये लोग चार दीवारों के अंदर बैठे हैं, चारों दीवारों पर बुलेटप्रूफ कवर है। इस वजह से करप्ट लीडर्स को किसानों, गरीबों, बेरोजगारों और आम लोगों से कोई लेना-देना नहीं है। जब आतंकवादी मर्डर करते हैं, तो खून बहता दिखता है। लेकिन करप्ट पॉलिटिकल लीडर्स आम लोगों, किसानों और गरीबों को स्लो पॉइजन देकर जहर दे रहे हैं और वे अनजाने में मर जाते हैं। इसके लिए आज के करप्ट पॉलिटिकल लीडर्स ज़िम्मेदार हैं। आज के मुट्ठी भर पॉलिटिकल लीडर्स कम समय में करोड़पति बनते दिख रहे हैं और इसी वजह से देश में महंगाई, किसानों की आत्महत्या, बेरोजगारी की समस्याएँ, हेल्थ की समस्याएँ और एजुकेशन की समस्याएँ पैदा हो रही हैं। आज पॉलिटिकल लीडर्स की करप्ट पॉलिसीज की वजह से देश और इसके लोग, किसान और आम आदमी 10 साल पीछे चले गए हैं। 2014 से एढर 95 पेंशनर्स 7500 रुपये की गुजारा भत्ता और महंगाई भत्ते के लिए संघर्ष कर रहे हैं और केंद्र सरकार से इसकी मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार इस पर जरा भी सोचती हुई नहीं दिख रही है। इसके लिए सरकार सिर्फ. तारीख के आधार पर स्टैंड लेती दिख रही है। अगर देश को तरक्की करनी है, तो सबसे पहले भ्रष्ट नेताओं को सजा मिलनी चाहिए। सिर्फ. तथ्यों को दबाकर भ्रष्ट नेताओं को वैसी ही सजा मिलनी चाहिए जैसी आतंकवादियों को मिलती है। तभी देश की सूरत बदलेगी। इसमें कोई शक नहीं कि आज जब हम देश में तस्करी और गैर-कानूनी धंधे देख रहे हैं, तो उसके पीछे कुछ नेताओं का हाथ है, और यही भ्रष्टाचार का जरिया है। आज भी हम देखते हैं कि देश के कई राज्यों के दूर-दराज के इलाकों का विकास न के बराबर है, यही वजह है कि दूर-दराज के इलाकों में कुपोषण से होने वाली मौतों की दर बढ़ी है। अगर देश के नेताओं ने जाति के हिसाब से दूर-दराज के इलाकों पर ध्यान दिया होता, तो आज दूर-दराज के इलाकों में भी तरक्की होती। आज के हालात में यह बहुत जरूरी हो गया है कि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार पॉलिटिकल नेताओं की संपत्ति की एक लिमिट तय करें। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को यह गाइडलाइन तय करनी चाहिए कि पॉलिटिकल नेताओं के पास कितनी चल और अचल संपत्ति होनी चाहिए। तभी करप्ट लोगों पर कंट्रोल किया जा सकता है। देश में किसी भी करप्ट इंसान को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हम देखते हैं कि जब चुनाव आते हैं, तो पॉलिटिकल नेता बड़े-बड़े दावे करते हैं कि मैं किसान का बेटा हूँ, मैं कंडक्टर था, मैं ऑटो चलाता था, मैं प्राइवेट नौकरी करता था, मैं मजदूरी करके अपना बिजनेस चलाता था। चुने जाने के बाद ऐसे कई उदाहरण सामने आते हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यह सच में हैरानी की बात नहीं है कि कैसे जनता के नुमाइंदे, पब्लिक के नुमाइंदे चुने जाने के सिर्फ. पाँच साल में करोड़पति बन जाते हैं? राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। इसी तरह, मैं राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से रिक्वेस्ट करता हूँ कि वे करप्ट लोगों की मुस्कराहटों पर रोक लगाने के लिए अपने-अपने तरीके से हर मुमकिन कोशिश करें। तभी करप्शन पर कंट्रोल किया जा सकता है और यह रुकेगा।

सनातन संत के संकल्प

-विक्रम दयाल

सनातन संत सम्मेलन में भारत के विश्वगुरु बनने का कार्यक्रम तय हुआ। सम्मेलन में मुख्य रुप से इस बात पर जोर दिया गया कि भारत यदि फिर से विश्व गुरु बनना चाहता है, तो आधुनिक तकनीक पर सनातन ज्ञान की सामुहिक ताकत को दुनिया को सामने प्रभावी ढ़ंग से रखा जाना चाहिए। भारत तो पहले से ही विश्वगुरु था, और वर्तमान मैं भी है और आगे भी विश्वगुरु बना ही रहेगा। भारत मंडपम में ओम्-सनातन न्यास कि ओर से आयोजित सनातन संत सम्मेलन में देशभर से आये सैकड़ों से अधिक संतों,विद्वानों और युवा छात्रों ने एक मंच पर जुट कर सनातन संस्कृत को भविष्य, उसकी भूमिका, और वैश्विक स्तर पर उसके प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यास के संरक्षक गोविंद देव गिरि ने की। गोविंद देव गिरि जी ने कहा, समय आ गया है कि एआई (आर्टीफिसियल इंटेलिजेंस) के स्थान पर एसआई यानी सनातन इंटेलिजेंस विकसित की जाये। यह एसआई विश्व के विद्वानों और वास्तविक साक्ष्यों के आधार पर तैयार होगी, ताकि सनातन ज्ञान को प्रमाणिक और वैश्विक रुप में प्रस्तुत किया जा सके। उन्होने बताया कि सनातन परंपरा और अध्यात्मिक ज्ञान को डिज्नीवर्ल्ड की तरह एक विशाल सनातन धरोहर पार्क में प्रदर्शित करने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। यह पार्क वृंदावन या किसी उपयुक्त स्थान पर बनेगा और दुनिया को सनातन की जड़ों से जोड़ने का केन्द्र बनेगा। संतो ने कहा कि कई सभ्यताओं को मिथक कहकर पेश किया गया है। इन सभ्यताओं के प्रमाण, परंपराएं और अवशेष सनातन संस्कृत की वैश्विक जड़ों को साबित करते हैं। इसके आधार पर ग्लोबल कल्चरल एटलस बनाया जायेगा। इसके साथ ही 2026 में ग्लोबल सनातन कान्फ्रेस आयोजित करने का फैसला लिया गया। इसमें 108 देशों से संपर्क कर संतों, बुद्धिजीवियों और विचारकों को बुलाया जायेगा। यह समय एकजुट होने का है- जैन मुनि डाक़्टर लोकेश ने कहा की आज भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए नापाक ताकतें देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होने कहा कि सभी सनातन परंपराओं को एकजुट होना होगा। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा सनातनी समाज अपने बच्चों को अपने ग्रंथों से दूर कर बैठा है। उन्होने कहा कि अब समय है कि गीता और कंप्यूटर दोनो साथ हों। साइंस विद सनातन ही आने वाली पीढ़ी की ताकत बनेगी। परमजीत सिंह चंडोक ने कहा, गुरु तेगबहादुर ने सनातन की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। उन्होने कहा कि धर्मों की विविधता के बावजूद हमारा मूल धर्म एक है। समाज के लिए अच्छा काम करने वाले लोगों को सनातन रत्न सम्मान और सनातन भक्ति सम्मान दिए गए। सनातन के सात बड़े संकल्प सनातन संस्कृत को वैश्विक संकटों का समाधान मानते हुए इसका संस्थागत ढ़ाचा विकसित करना। आधुनिक तकनीक और सोसल मीडिया के माध्यम से सनातन को हर घर तक पहुँचाना। वृंदावन में वैश्विक सनातन धरोहर पार्क की स्थापना की पहल मंदिर, विहार, स्तूप और गुरुद्वारों को शिक्षा व संस्कृत के मजबूत केंद्र के रूप में विकसित करना और ध्वस्त स्थलों का पुनर्निर्माण करना। विश्व की प्राचीन सभ्यताओं के तथ्य संग्रह कर सांस्कृतिक एटलस बनाना 2026 मैं वैश्विक संत सम्मेलन आयोजित करना राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को संकल्प सौंपकर कल्चरल एडवाइजरी काउंसिल, सनातन स्वास्थ्य प्रणाली, सनातन विश्वविद्यालय और अनुसंधान बजट के सुझाव देना है।

समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत मोखाडा तहसील के विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत मोखाडा तहसील में जारी विकास कार्यों की प्रगति की गुरवार 20 नवम्बर को जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने समीक्षा की। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा (ऊब्ळ्अ) की प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी पंचायत अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारस्कर, प्रभारी गटविकास अधिकारी डॉ. भाऊसाहेब चतर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते ने दिसंबर के अंत तक सभी अपूर्ण घरकुलों को पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। वहीं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने भी प्रलंबित कार्यों को गति प्रदान कर तहसील स्तर पर विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने योजनाओं के शिस्तबद्ध और समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों से

निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण करने का आह्वान किया। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना, शबरी आवास योजना, रमाई आवास योजना सहित विभिन्न गृह योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा झ उमेद के अंतर्गत सभी महिलाओं को स्वयं-सहायता समूहों से जोड़ने पर बल देते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि कोई भी महिला समूहों से वंचित न रहे। इसके साथ ही सार्वजनिक शौचालय परियोजनाओं की प्रगति और मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारस्कर ने की।

मोखाडा तहसील में पानी की कमी की समस्या का विशेष उल्लेख करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि जलसंकट निवारण हेतु शासन की विविध योजनाओं का समयबद्ध एवं परिणामकारक क्रियान्वयन बेहद आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि समृद्ध पंचायत राज अभियान में मोखाडा तहसील को उल्लेखनीय स्थान मिले, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक से पूर्व उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील ने ग्रामपंचायत विभाग की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। समीक्षा बैठक के बाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने प्रत्यक्ष स्थलों का दौरा कर घरकुल परियोजनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया तथा लाभार्थियों से संवाद साधकर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत तहसील के पाडा में गायगोठा निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी संपन्न हुआ, जिसमें स्थानीय सरपंच, ग्रामपंचायत अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

नवघर पुलिस ने हत्या केस का खुलासा, दो घंटे में पत्नी और बेटे को किया गिरफ्तार

भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवघर पुलिस थाने की त्वरित कार्रवाई में एक हत्या के मामले का मात्र दो घंटे में खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी और बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। मामला सोनल पार्क कंपनी हाउस सोसायटी, बिल्डिंग नंबर 01, दुकान नंबर 01, एस.वी. रोड, भायंदर पूर्व का है।

पुलिस के अनुसार दोपहर के समय मुखबिर से सूचना मिली कि 51 वर्षीय सुशांतो अबोनी पाल पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार और कठोर हथियार से हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस संबंध में नवघर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 103(1) के तहत अपराध क्रमांक 545/2025 दर्ज किया गया। परिवार पर गया शक, जांच ने पकड़ी रफ्तार जांच के दौरान शिकायतकर्ता और अंडरकवर मुखबिर द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस को संदेह मृतक के परिवार पर गया। बताया गया कि मृतक सुशांतो पाल दुकान में अकेले रहते थे और उनकी पत्नी तथा बच्चे उनसे लगातार पैसों को लेकर विवाद करते रहते थे। 18 नवंबर 2025 को यह भी पता चला कि मृतक और उनके परिवार के बीच दुकान में झगड़ा हुआ था। इसके बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी अमृता सुशांतो पाल और दो बच्चों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में अमृता पाल और उनके बेटे सुमित पाल ने अपराध कबूल कर लिया, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (जोन-01) संदीप डोईफोडे, तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त सोहेल शेख के मार्गदर्शन में की गई। जांच टीम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक धीरज कोली ने किया। टीम में म.पुनि तृप्ति देशमुख, पो/एन दत्तात्रेय तुमे, सपोनी अमोल तालेकर, पुअनि संपत अहेर, पुअनि संदीप वास्कोटी सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आशागड के अनुपस्थित चिकित्सकों पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की कड़ी कार्रवाई

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आशागड (तहसील डहाणू) में चिकित्सकों की अनुपस्थिति को लेकर हाल ही में विभिन्न समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर खबरें प्रकाशित हुई थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के निर्देश पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा तुरंत जांच समिति गठित की गई। जांच समिति की रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि घटना के समय केंद्र में एक भी चिकित्सक मौजूद नहीं था। रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने तत्काल सख्त कदम उठाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। केंद्र में कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट आधार पर नियुक्त डॉ. रूपाली मालवणकर तथा डॉ. कृतिका जनाठे की सेवाएँ तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं, जबकि नियमित चिकित्सक डॉ. क्षितिजा पाटील को निलंबित कर दिया गया है। स्वास्थ्य सेवाएँ बाधित न हों, इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आशागड का कार्यभार अन्य उपलब्ध चिकित्सकों को सौंप दिया गया है, ताकि ग्रामीणों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा बिना किसी रुकावट के मिलती रहे।

मीरा भायंदर में आज पानी की आपूर्ति रहेगी बंद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के सभी नागरिकों को से अपील किया जाता है कि मीरा भायंदर शहर को जलापूर्ति रळएट प्राधिकरण और महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (टक्ळ्छ) द्वारा की जाती है। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम द्वारा वसोर्वा टोल प्लाजा के पास लोक निर्माण विभाग परिसर में शहर को जलापूर्ति करने वाली 1350 मिमी व्यास वाली नगरपालिका की मुख्य जल पाइपलाइन से अचानक पानी का रिसाव शुरू हो गया है। उक्त मरम्मत कार्य अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए शुक्रवार, 21 नवंबर 2025 को मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। इसलिए मीरा-भायंदर शहर में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक जलापूर्ति बंद रहेगी। साथ ही, रळएट प्राधिकरण की ओर से जलापूर्ति भी जारी रहेगी। हालाँकि, जब तक उक्त कार्य पूरा नहीं हो जाता और महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) से जलापूर्ति बहाल नहीं हो जाती, मीरा-भायंदर शहर में पानी की आपूर्ति कम दबाव में और देरी से होगी। फिर भी, नागरिकों को पानी का संयम से उपयोग करना चाहिए और नगर निगम का सहयोग करना चाहिए।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस मल्टी-एसेट एक्टिव एफओएफ

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस मल्टी-एसेट एक्टिव फंड ऑफ फंड (एफओएफ) लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड्स स्कीम है, जो इक्विटी-ओरिएंटेड और डेट-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड स्कीम्स और कमोडिटी-आधारित ईटीएफ में निवेश करेगी। इस न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) की सब्सक्रिप्शन अवधि 21 नवंबर 2025 से 5 दिसंबर 2025 तक रहेगी। एक्सिस मल्टी-एसेट एक्टिव एफओएफ निवेशकों को मल्टी-एसेट डाइवर्सिफिकेशन का एक ही जगह से पूरा समाधान देने के लिए बनाया गया है। यह फंड एक समझदारी से मैनेज किए गए पोर्टफोलियो में इक्विटी, डेट, सोना और चांदी—इन सभी में निवेश का एक्सपोजर एक साथ उपलब्ध कराता है। इस फंड का उद्देश्य एक मजबूत क्वांटिटेटिव मॉडल और एक आंतरिक समिति द्वारा निर्देशित, अलग-अलग एसेट क्लास और थीम्स में डायनेमिक एलोकेशन के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि प्रदान करना है। इस प्रक्रिया में वैल्यूएशन, मैक्रो इंडिकेटर्स, मार्केट ट्रेंड्स और कमोडिटी फैक्टर्स को ध्यान में रखा जाएगा, साथ ही ऐसे तत्व भी शामिल होंगे जिन्हें मापा नहीं जा सकता, जैसे भूराजनीतिक परिस्थितियाँ और बदलती बाजार उम्मीदें।

पोषण बरकरार रखते हुए वीगन जीवनशैली अपनाने की स्मार्ट गाइड : ऋतिका समद्दार

मुंबई/पटना। वीगन जीवनशैली अपनाना बेहतर स्वास्थ्य, स्थिरता और करुणा की दिशा में एक सार्थक कदम हो सकता है। बहुत से लोग मानते हैं कि वीगन आहार में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, लेकिन सोच-समझकर की गई योजना के साथ संतुलित और पौष्टिक भोजन लेना पूरी तरह संभव है। वीगन बनना केवल जानवरों से प्राप्त खाद्य पदार्थों को हटाने भर का विषय नहीं है, बल्कि विविध पौध-आधारित खाद्य पदार्थों से भरपूर, संपूर्ण और पौष्टिक थाली बनाना है। आज हम मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार द्वारा सुझाए गए कुछ सुझावों और उपायों पर नजर डालेंगे, जो वीगन बनने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए उपयोगी हैं। मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार के अनुसार, स्वस्थ वीगन आहार की नींव संपूर्ण और न्यूनतम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों पर आधारित होती है। वह सलाह देती हैं कि थाली का आधा हिस्सा रंग-बिरंगे फलों और विभिन्न प्रकार की सब्ज़ियों से भरें।

स्लम पुनर्वास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी से चांदीवली के तूंगा गांव में हो रहे सर्वे को राकांपा ने की रोकने की मांग

मुंबई। चांदिवली विधान सभा के वार्ड क्रमांक 156 तुंगा गांव में दुधवाला विकासक की ओर से सर्वे का कार्य शुरू कराया गया है। ऐसे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चांदीवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने स्लम पुनर्वास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेंद्र कल्याणकर को एक लिखित पत्र देकर यहां चल रहे सर्वे को तत्काल बंद करने की मांग की मांग की है। स्लम पुनर्वास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को लिखे पत्र में राकांपा चांदीवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बताया कि तुंगा गाँव में झुग्गी बस्ती पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) का कार्य पिछले 12-14 वर्षों से चल रहा है। उक्त बस्ती बड़ी होने के कारण, विकासक को इस कार्य में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा होगा।यह परियोजना जल्द से जल्द पूरी हो ऐसी भावना आम जनमानस की है । लेकिन डेवलपर को सभी लोगों को विश्वास में लेकर इस बड़ी विकास योजना को आगे बढ़ाना चाहिए था। किंतु डेवलपर की कार्यप्रणाली से बड़ी संख्या में लोगों असमंजस व्याप्त हैं। स्थानीय निवासी जहां एक तरफ झोपड़ी से निकलकर बड़ी इमारत में जाने का सपना संजोए हुए हैं वहीं उनके सपने कहीं न कहीं साकार नहीं होते दिखाई दे रहे हैं।

बता दें कि 13.11.2025 को डेवलपर की ओर से तुंगा गाँव में कुछ नोटिस लगाए जाने से सर्वे को लेकर अनेक लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। जिसके कारण राकांपा की मांग है कि तुंगा गांव की जिस सोसायटी के लोग डेवलपर से सर्वे के लिए सहमत हो, वहां सर्वेक्षण करवाए तथा जिस सोसायटी ने सर्वेक्षण करवाने में आपत्ति जताई है, वहां पर सर्वे न कराया जाए। कारण कि विकासक की ओर से सोसायटी के लोगों को विश्वास में नहीं लिया गया ।

जब तक निवासी स्वयं डेवलपर को सर्वे के लिए नहीं बुलाते, तब तक कोई भी सर्वे न कराया जाए। ऐसी मांग राकांपा की ओर से की गई है।

अखिल पार्कसाइट सेवा संघ द्वारा 'रक्तदान शिविर' संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हर साल दिवाली के बाद, मुंबई शहर के नगर निगम और सरकारी अस्पतालों के ब्लड बैंकों में रक्त की कमी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस वर्ष भी, रक्त की कमी के कारण कई रोगियों की सर्जरी में देरी हुई है। साथ ही, चूँकि समय पर रक्त न मिलने से कई रोगियों की जान जाने का खतरा बना रहता है। इसलिए 16 नवंबर, 2025 को मुंबई के विक्रोली पार्कसाइट छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में 'अखिल पार्कसाइट सेवा संघ' ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए 28वें वर्ष 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया। इस रक्तदान शिविर में 371 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।इस रक्तदान शिविर में घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल, परेल स्थित के.ई.एम. अस्पताल, मुंबई सेंट्रल स्थित बाबू

जगजीवन राम रेलवे अस्पताल और भायखला स्थित सर जे.जे. महानगर स्थित ब्लड बैंकों द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। अखिल पार्कसाइट सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील काजरोलकर ने कहा कि यद्यपि इस रक्तदान शिविर से राहत मिली है, फिर भी मुंबई के विभिन्न सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों को रक्त की कमी को दूर करने के लिए पहल करनी चाहिए और अपने-अपने क्षेत्रों के नगर निगम अस्पतालों और सरकारी ब्लड बैंकों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित करने चाहिए।इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन समाजसेवी चंद्रकांत गांगन और समाजसेवी संतोष सुर्वे ने और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। रक्तदान शिविर में सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। साथ ही, इस शिविर को रोटरी क्लब ऑफ मुंबई-घाटकोपर, एचडीएफसी बैंक, लायंस क्लब ऑफ घाटकोपर, विद्या गजानन चिंदारकर और नितिन परव का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। अखिल पार्कसाइट सेवा संघ के सभी कार्यकताओं ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया। अखिल पार्कसाइट सेवा संघ की ओर से विभाग के सभी रक्तदाताओं, शुभचिंतकों और सामाजिक संगठनों के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

माता रमाबाई आंबेडकर नगर-कामराज नगर के निवासियों को 500 स्क्वायर फिट घर मिले

घाटकोपर(उत्तरशक्ति)। पूर्व स्थित माता रमाबाई आंबेडकर नगर-कामराज नगर के लोगों को 500 स्क्वायर फिट घर मिले, इस संदर्भ में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी से स्थानीय निवासी आत्मसम्मान मंच के अध्यक्ष एडवोकेट नित्यानंद शर्मा ने मुलाकात की है और विनंती पत्र सौंपा है। विनंती पत्र में लिखा है कि जब धारावी और वरली बीडीडी चॉल के निवासियों को 500 स्क्वायर फिट घर मिल रहा है तो यहां के निवासियों सिर्फ 300 स्क्वायर फिट घर ही क्यों ऐसे में यह के निवासियों को 500 स्क्वायर फिट का घर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक

विचार करने का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) और मुंबई महानगर प्रादेशिक विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) द्वारा संयुक्त रूप से किए जा रहे है इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन तकरीबन एक महीने पहले मुख्यमंत्री ने किया था, झुग्गी पुनर्वास योजना का कुल क्षेत्रफल 31.85 हेक्टेयर है, जिसमें तकरीबन 16575 झुग्गी-झोपड़ी के निवासी शामिल हैं, मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद एडवोकेट नित्यानंद शर्मा ने कहा। की ₹ रमाबाई कामराज नगर में डेवलेपमेंट हो ये अच्छी बात है,यहां कामगार ,मेहनतकश और मध्यमवर्गीय समाज के लोगों ज्यादा रहते है, यहा ज्यादा जगह उपलब्ध है, जब धारावी और वरली बीडीडी चॉल में 500 स्क्वायर फिट घर मिल रहे तो ऐसे में हमें 500 स्क्वायर फिट घर देकर हमारे साथ न्याय किया जाना चाहिए,हमें उम्मीद है कि कार्यकुशल संवेदनशील मुख्यमंत्री इस मामले में जल्दी ही लोगों के चेहरे पर मुस्कान आए ऐसा निर्णय घोषित करेंगे।

गंभीर अभिघताज मस्तिष्क चोटों से पीड़ित 4 वर्षीय बच्चे की जान बचाई

मुंबई। समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया और विशेष देखभाल के एक उल्लेखनीय मामले में, पैदल मार्ग पर चलते समय बहुत अधिक चोट और गंभीर रूप से घायल 4 वर्षीय वैभव मिश्रा को जसलोक हॉस्पिटल के आपातकालीन विभाग में लाया गया। ऐसा माना जा रहा है कि सड़क पार करने की कोशिश करते समय कार की टक्कर लगने से बच्चा घायल हुआ और पुलिस कर्मी को अकेले मिला था।

जब पुलिस आई, वैभव बेहोशी के गंभीर रूप से निम्न स्तर (ग्लासगो कोमा स्केल स्कोर E1V1M1) पर था जिसका अर्थ हैं की बेहोशी और गहरे दर्द के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं है, जो सिर में चोट और कई बाहरी चोटों का संकेत था। जसलोक हॉस्पिटल में डॉ. सचना शेट्टी और डॉ. सुनील जैन सहित दुर्घटना और आपातकालीन टीम ने तुरंत रीढ़ की हड्डी को स्थिर करने और एंडोट्रैचियल इंटुबैशन के माध्यम से वायुमार्ग प्रबंधन और रोगी को स्थिर करने के लिए द्रव पुनर्जीवन के साथ बाल चिकित्सा आघात प्रोटोकॉल शुरू किया।

प्रारंभिक इमेजिंग और निदान आपातकालीन इमेजिंग से गंभीर चोटों का पता चला, जिसमें दोनों फेफड़ों में कई चोटों के साथ इंट्राक्रैनियल रक्तस्राव और फैला हुआ मस्तिष्क शोफ शामिल है। अतिरिक्त चोटों में कॉलर बोन, जबड़े और पहली पसली में फ्रैक्चर के साथ-साथ दाएं तरफ न्यूमोथोरैक्स शामिल था, जिनकी पहचान मस्तिष्क, रीढ़, छाती और पेट के सीटी स्कैन के माध्यम से की गई थी। यहाँ एक फैली हुई एक्सोनल चोट होने का संदेह था और बाद में एमआरआई ब्रेन रिपोर्ट द्वारा इसकी पुष्टि की गई।

मल्टीस्पेशलिटी मैनेजमेंट ने पीडियाट्रिक ट्रॉमा केयर, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक और पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर टीमों की भागीदारी के साथ एक व्यापक प्रबंधन योजना शुरू की। बच्चे को IV µncBOX, IV एंटीबायोटिक्स, एंटीकॉन्वल्सेंट्स, इंट्राक्रैनियल प्रेशर मैनेजमेंट के लिए हाइपरटोनिक सलाइन और सेडेटिव एनाल्जेसिया देना शुरू किया गया। बाद में टफ्क्र निष्कर्षों ने ग्रेड 3 DAI के निदान की पुष्टि की। फ्रैक्चर्ड क्लैविकल के लिए सर्जिकल हस्तक्षेप और रिकवरी ऑर्थोपेडिक हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, जिसे बिना किसी उल्झन और दर्द के शल्य चिकित्सा द्वारा ठीक किया गया था। अगले कुछ दिनों में, वैभव ने न्यूरोलॉजिकल सुधार के उत्साहजनक संकेत दिखाए, जिसमें सहज रूप से आँख खोलना और अंग हिलाना शामिल था। उसे सफलतापूर्वक एक्सट्यूबेट किया गया और ऑक्सीजन सपोर्ट से हटा दिया गया।

जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में दुर्घटना एवं आपातकाल सलाहकार डॉ. सचना शेट्टी ने कहा, वैभव को बहुत ही बेहोशी की हालत में लाया गया था, जिसमें संभावित वायुमार्ग खतरे के लक्षण दिखाई दे रहे थे। हमारी प्राथमिकता वायुमार्ग को सुरक्षित करना और रोगी को हेमोडायनामिक रूप से स्थिर करना था। ट्रॉमा इमेजिंग के माध्यम से प्रारंभिक निदान ने आगे के हस्तक्षेपों को निर्देशित करने और माध्यमिक जटिलताओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शेहला काजी ने बताया, वैभव की हालत गंभीर थी। उसे तुरंत क्ष्र फ्लूइड, IV एंटीबायोटिक्स, एंटीकॉन्वल्सेंट, इंट्राक्रैनियल प्रेशर मैनेजमेंट के लिए दवा और सेडेटिव एनाल्जेसिया देना शुरू कर दिया गया।

आमदार कुमार आयलानी ने किया शहाड़ पुल का दौरा, जनता की सेवा में जल्दी खोला जाएगा पुल

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर के आमदार कुमार आयलानी ने शहाड़ पुल का दौरा किया और अभियंता से तकनीकी जानकारी ली। उन्होंने उल्हासनगर मनपा को पुल पर लाइट के खंभों की मरम्मत करने का निर्देश दिया है। यह कदम पुल की सुरक्षा और रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है ।

गुरुवार शाम को आमदार कुमार आयलानी ने शहाड़ पुल का दौरा कर चल रहे काम का निरीक्षण किया और उपस्थित अभियंता से तकनीकी जानकारी ली और यह जाना कि पुल का निर्माण पूरी मजबूती के साथ हो रहा है। वहीं इस दौरान ठेकेदार के प्रतिनिधि को उल्हासनगर छोर पर और आगे तक डामरीकरण करने का निर्देश दिया। जल्द ही यह ब्रिज जनता के लिए खोला जाना है इसके लिए उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की कोई कमी पुल में नही होनी चाहिए। पुल पर जहां शहाड़ ब्रिज के लिए सीढियां जाती हैं वहां पर गैप को भरने तथा पुल पर टूटी हुई बैरिकेडिंग को नया लगाने का भी निर्देश दिया। उल्हासनगर मनपा में भी बातचीत कर पुल पर लगे लाइट के खंभों की मरम्मत तथा पेंटिंग के लिए निर्देशित किया। पुल पर चल रहे कार्य को देखकर आमदार कुमार आयलानी संतुष्ट हुए। इस दौरान उनके साथ व्यावसायिक उद्धव रूपचंदानी, मंडल अध्यक्ष म्हारल, वरप, कांबा योगेश देशमुख, ट्रैफिक विभाग के कर्मचारी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

नवी मुंबई चैरिटेबल ट्रस्ट का निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर सम्पन्न

प्रतापगढ। प्रतापगढ़ के मदुरा रानीगंज गाँव में एक ऐसा आयोजन हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा और उम्मीद का संचार कर दिया। नवी मुंबई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र शिविर ने गाँव में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में ग्रामीणों को एक साथ स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ दिया। सुबह होते ही गाँव के स्कूल प्रांगण में लोगों की हलचल तेज हो गई थी। दूर-दूर से आए ग्रामीण तपती धूप को नजरअंदाज कर अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। चेहरे पर उम्मीद की चमक और मन में राहत की भावना साफ झलक रही थी। यह शिविर ट्रस्ट के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिसे ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी रमेश नारायण त्रिपाठी ने अपने जन्मदिन के दिन समाज को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि गाँवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी चिंता का विषय है और यह प्रयास सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं,

बल्कि ग्रामीणों की भलाई के प्रति उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है। ग्रामीणों ने भी उनके इस कदम की खुले दिल से सराहना की और इसे वास्तविक सेवा का उदाहरण बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह रहे, जिन्होंने मंच से अपने संबोधन में यह संदेश दिया कि सेवा ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने कहा कि समाज तब आगे बढ़ता है जब उसकी सोच सेवा और सहयोग से जुड़ी हो, और इस आयोजन ने साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों को बदलने के लिए केवल इच्छाशक्ति चाहिए। उन्होंने ट्रस्ट की टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल आने वाले वर्षों में कई लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। शिविर में सुबह से लेकर दोपहर तक डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम लगातार मरीजों की जांच करती रही।ग्रामीणों की आँखों की जाँच, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण और आवश्यक परामर्श अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। कई मरीजों में वर्षों पुराने नेत्र रोग और स्वास्थ्य समस्याएँ सामने आईं, जिनके उपचार की जिम्मेदारी आगे भी ट्रस्ट ने लेने का आश्वासन दिया। बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए स्कूल बैग, पेन, पेंसिल और पानी की बोतलें वितरित की गईं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नकली व नशीली दवा गैंग गिरोह पर जौनपुर ड्रग इंस्पेक्टर का छापा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग लखनऊ (एफएसडीए) द्वारा गठित स्पेशल टीम के मुखिया जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय की टीम ने बुधवार को शहर के एक नामी गिरामी प्रतिष्ठान पर छापेमारी की तो नकली और नशीली दवा गैंग के एक अंर्तराज्यीय कनेक्शन का बड़ा खुलासा हुआ है। अधिकारियों

41.10 करोड़ की कोडीन युक्त कफ फेंसेडिल सिरप की अवैध तस्करी का खुलासा

के दस्ते ने यहां से 18.28 लाख कोडिन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की बिक्री का रिकॉर्ड जब्त कर लिया है। जांच के दौरान यह भी बड़ा खुलासा हुआ है कि 18000 कोडिन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की खरीद और बिक्री की गई है।

जिसकी अनुमानित लागत 40.68 लाख आकी गई है। विभाग के अधिकारी इस मामले की पूरी रिपोर्ट तैयार कर प्रदेश शासन को देने में जुट गए हैं । वहां से निर्देश मिलते ही संबंधित फर्म के मालिक व इससे जुड़े गिरोह के लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराते हुए शीघ्र ही उनकी गिरफ्तारी भी कराई जा सकती है।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश शासन की विशेष निर्देश पर जौनपुर समेत प्रदेश भर में नकली और नशीली दवा गैंग के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया है।

जिले में औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय के निर्देशन में गठित स्पेशल टीम ने नगर कोतवाली अंतर्गत शहर के मुफ्ती

मोहल्ला स्थित फर्म एस एन मेडिकल एजेंसी की जांच की गई तो इस फर्म द्वारा 18000 कोडिन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की खरीद और बिक्री की गई है ।

जिसकी अनुमानित लागत 40.68 लाख आकी गई है। खरीद और बिक्री बिल का सत्यापन तक औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 22(1)(डी) के अंतरगत औषधियों की खरीद पर रोक तत्काल प्रभाव से लगाई गई है। जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने बताया पूर्व मे किये गये एजेंसीयो की सघन जांच और रिकॉर्ड

18.28 लाख कोडिन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की बिक्री का रिकॉर्ड विभाग ने किया: जब्त

को खंगालने के बाद पाया गया की अकेले सिर्फ इस जिले में 18.28 लाख कोडिन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की अवैध तस्करी की गई है।

जिसका अनुमानित मूल्य 41.1 0 करोड़ रुपये की कोडिन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की बिक्री सामने आई है। नकली और नशीली दवाओं के इतने बड़े खुलासे से महकमें के सभी अधिकारी हैरत में पड़ गए।

मामले को बेहद ही गंभीरता से लेते हुए निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर उक्त फर्म का लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सम्बंधित फर्म द्वारा यदि फर्म आदेश का उल्लंघन करते हुए मिली तो गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराते हुए जेल भी भेजा जाएगा।

बीएचयू अस्पताल के ओपीडी की फीस और पर्ची की वैधता बढ़ी, अब 30 की जगह 50 रुपये देने होंगे

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बीएचयू के सरसुंदरलाल अस्पताल की ओपीडी सेवाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्था में बदलाव किया गया है। चार साल बाद अस्पताल प्रशासन ने ओपीडी पर्ची की फीस बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब मरीजों को पहले की 30 रुपये की जगह 50 रुपये जमा करने होंगे। यह नई दर 20 नवंबर से प्रभावी होगी। इससे पहले नवंबर 2021 में ओपीडी शुल्क 20 रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये किया गया था।

प्रशासन ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण राहत भी प्रदान की है। अब ओपीडी पर्ची की वैधता छह माह से बढ़ाकर पूरे एक वर्ष कर दी गई है। इससे उन मरीजों को बड़ी आसानी होगी जो नियमित फॉलो-अप के लिए बाहर से आते हैं और हर कुछ महीनों में नई पर्ची बनवाने की परेशानी का सामना करते थे। बीएचयू अस्पताल पूर्वांचल ही नहीं, बल्कि बिहार,

झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों से आने वाले हजारों मरीजों के लिए प्रमुख चिकित्सा केंद्र है। प्रतिदिन लगभग छह हजार से अधिक मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, जिसके कारण ओपीडी पर्ची काउंटर पर अक्सर लंबी कतारें लग जाती हैं। अधिकारियों का कहना है कि पर्ची की अवधि एक साल होने से काउंटर पर भीड़ में कमी आएगी और मरीजों के समय की बचत होगी। मंगलवार, 18 नवंबर को चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी अधिसूचना में शुल्क वृद्धि की जानकारी सार्वजनिक की गई।

रिहंद कॉलोनी की जमीन पर विद्युत निगम का लगा बोर्ड

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी नगर वासियों में हड़कंप, बसी बसाई आबादियों का क्या होगा भविष्य इस क्षेत्र की संपूर्ण भूमि निगम के अधिकार क्षेत्र में आती है। अपीलीय कोर्ट अपर जिला जज के न्यायालय ने नगर पंचायत द्वारा पिपरी भूमि के संबंध में किए गए सिविल अपील में नगर पंचायत के केस को सिरे से खारिज कर दिया है जिस कारण से उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड का स्वामित्व यथावत बना हुआ है इसी के क्रम में अधीक्षण अभियंता जल विद्युत उत्पादन मंडल पिपरी, अधिशासी अभियंता सिविल पिपरी एवं उप कमांडेंट सीआईएसएफ पिपरी नें आज पिपरी में विभिन्न स्थानों पर राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के स्वामित्व सूचक बोर्ड को लगवाया एवं पिपरी कॉलोनी में फ्लेग मार्च किया।

वहीं दूसरी ओर नगर की जनता यह सब देखकर हतप्रद है एवं प्रतिनिधियों से पूछ रही है कि नगर पंचायत पिपरी चेयरमैन के सात वर्ष से ज्यादा का कार्यकाल में उन्होंने शासन में पिपरी नगर पंचायत की फाइल होने का दम भरते थे और पिपरी नगर के आवासियों से किराया/टैक्स लेने हेतु फॉर्म को वितरित कराया था इस पर आज का प्रकरण आने के बाद नगर पंचायत पिपरी चेयरमैन द्वारा भूमि आवंटन एवं कर वसूलने का मामला हवा-हवाई हो गया है लोग चिंतित हैं आपस में चट्टी-चौराहों पर चर्चा कर रहे हैं, किंतु नगर पंचायत पिपरी चेयरमैन द्वारा इस संबंध में अपना पक्ष नहीं रखा गया है। जनता में कौतूहल का माहौल है संबंधित आदेश की नकल नगर वासियों के जानकारी के लिए इस पोस्ट मे प्रसारित है ताकि लोग सत्य से अवगत हो सके एवं अफवाहों से दूर रहें। समाज सेवी अजीत गुप्ता ने कहा कि

मेरा नगर की जनता से यह अपील है कि अभी आप घबराएं नहीं। मैं संबंधित अधिकारियों से वार्ता करके नगरवासियों के पक्ष में समाधान का प्रयास कर रहा हूं, समय लगेगा लेकिन पानी सर से ऊपर निकल चुका है। नगर पंचायत पिपरी चेयरमैन का जल विद्युत के अधिकारियों से संबंध बहुत खराब हो चुके हैं। मेरे पास चेयरमैन का पद तो नहीं है लेकिन जो भी मेरी शक्ति सामर्थ में होगा पूरी शक्ति के साथ जनता के हित में सदैव खड़ा मिलूंगा।

पुलिस ने वकील को थाने में बंद कर जमकर पीटा

वकील को कोर्ट में पेश करने लेकर पहुंचे पुलिसकर्मियों को वकीलों ने भी मिलकर पीटा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के दही थाना क्षेत्र का जहां पर कल रात्रि में पुलिस एक 307 के आरोप में एडवोकेट पियूष

लोधी को गिरफ्तार कर थाने लाई और थाने में लाकर रातभर जमकर पीटा। फिर सुबह कोर्ट में अधिवक्ता को पेश करने के लिए लाये, जहां पहले से ही घात लगाए बैठे अन्य अधिवक्ताओं ने पुलिसकर्मियों को भी जमकर पीट दिया ।जिसमें एक सिपाही सोभित कुमार का सर फट गया। माहौल गर्म होता देख जिला जज ने तत्काल ही थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने का आदेश जारी कर दिया।

ननिहाल में रह रहे नवयुवक ने फांसी लगाकर आत्माहत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुफ्तीगंज केराकत कोतवाली के मुर्तजाबाद गांव में ननिहाल में रह रहे नवयुवक ने फांसी लगाकर आत्माहत्या कर अपनी इहलिला समाप्त कर लिया। जानकारी के अनुसार गौराबादशाहपुर थाना के भौसिंहपुर निवासी बासुदेव का पुत्र इन्द्रेश कुमार 29 वर्ष अपने पूरे परिवार के साथ अपने ननिहाल में बसपा के पूर्व प्रत्याशी उर्मिला राज के घर रहकर सारा कार्य भार देखता था। एलएलबी का कोर्स भी कर रहा था। गुरुवार के सुबह रोज की तरह अपना नित्य काम कर ब्रश मंन्जन करने के बाद आठ बजे के करीब दूसरे तल पर चला गया। परिवार वालों ने देखा कि बाइक भी घर पर है लेकिन वो दिखा नहीं। उसके पिता बासुदेव ढूंढ़ते हुए छत पर जा कर देखे कि रस्सी के सहारे छत में लगा चुल्ला में फांसी लगा कर आत्मा हत्या कर लिया है। वह यह मज्जर देख आवाक रह गये। इसके बाद उन्होने शोर मचाया और परिवार वाले मौके पर दौड़कर गये। सभी लोग चीखने लगे और सूचना पर मुफ्तीगंज चौकी की पुलिस मौके पर पहुंच कर लाश को उतरवा कर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वारदात से परिजन में कोहराम मचा हुआ है।

पुलिसकर्मी से मारपीट, दो पर मुकदमा, झगड़े की सूचना पर गए थे मुख्य आरक्षी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी से मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घटनाक्रम में शामिल दो युवकों सुदामापुर निवासी अभिषेक सोनकर और मोटू सोनकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य आरक्षी अख्तर अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार देर रात विशाल सोनकर ने फोन कर किसी झगड़े की सूचना दी थी। सूचना पाकर मुख्य आरक्षी मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद अभिषेक सोनकर और मोटू सोनकर ने उनसे अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने मिलकर धक्का-मुक्की और मारपीट की। पुलिसकर्मी के अनुसार स्थिति बिगड़ती देख उन्होंने किसी तरह खुद को बचाया और थाने में इसकी जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए भेलूपुर पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में केस पंजीकृत कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि ड्यूटी के दौरान सरकारी कर्मियों पर हमला किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अनियंत्रित रोडवेज बस ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, तीन की मौत व सात घायल

मऊ (उत्तरशक्ति)। जिले के दक्षिण टोला थाना क्षेत्र के शीतला मंदिर मोड़ पर अनियंत्रित रोडवेज की बस ने एक ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बैठे तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीन की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। शीतला मंदिर मोड़ से ई-रिक्शा दूसरी तरफ सड़क पार कर रहा था। उधर, दूसरी तरफ से आ रही अनियंत्रित रोडवेज बस ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा में बैठी महजबीन पत्नी रफीक अहमद, नूरी पत्नी तौकीर अहमद, शाहीन पत्नी तौहीद अहमद निवासी सलेमपुर देवरिया की मौत हो गई। जबकि सात लोग घायल हो गए। ये सभी लोग नगर के पहाड़पुरा से ई-रिक्शा से प्यारे का पूरा शादी समारोह में जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एएसपी अनूप कुमार, दक्षिण टोला थाना अध्यक्ष सहित फोर्स मौके पर पहुंच गई। बस और ई-रिक्शा को सड़क से हटवाया गया। साथ ही घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अब अनुपस्थित रहने पर नहीं रुकेगा शिक्षकों का वेतन, पहले होगी जांच

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के स्कूलों के निरीक्षण के दौरान गैरहाजिर मिलने वाले शिक्षकों का वेतन अब नहीं रुकेगा। पहले इसकी जांच होगी। उसमें शिक्षकों को उनका पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाएगा। इसको लेकर शिक्षा निदेशक की ओर से पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है। पत्र में कहा गया है कि बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित स्कूलों में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई करने से पहले उनसे स्पष्टीकरण लिया जाएगा। उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, बीएसए अथवा अन्य अधिकारी स्कूलों का निरीक्षण करते हैं। उस दौरान स्कूलों से गैरहाजिर मिले शिक्षकों का वेतन रोकने की कार्रवाई की जाती है, लेकिन अब ऐसा करने से पहले जांच होगी। शिक्षकों का भी पक्ष सुना जाएगा। उसके बाद कोई कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति टीम द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र में महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को किया जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं / बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर वृहद स्तर पर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है ' तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ शक्ति दीदी के रूप में जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही

महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है।

बीएसएनएल के केबल फाल्ट से पीयू में इंटरनेट सेवा बाधित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में इंटरनेट प्रदाता बीएसएनएल की सेवाएं विगत दिनों से बाधित होने के कारण परिसर में प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं शोध कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

बीएसएनएल ने देर शाम तक सेवा शुरू होने का दिया आश्वासन

यह बीएसएनएल की केबल में आए तकनीकी फाल्ट के कारण उत्पन्न हुई थी, जिससे विश्वविद्यालय के सभी ऑफिस, विभाग, प्रयोगशालाएं तथा परीक्षा एवं वित्तीय कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही थी। हास्टल के विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी सभी परेशान हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस समस्या को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से बीएसएनएल के उच्चाधिकारियों से संपर्क स्थापित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव केशलाल ने बीएसएनएल अधिकारियों से लगातार बातचीत कर स्थिति से उन्हें अवगत कराया और शीघ्र कार्रवाई करने को कहा। तत्पश्चात बीएसएनएल अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि केबल में आई खराबी का पता लगा लिया गया है और गुरुवार की देर शाम तक मरम्मत कार्य पूर्ण कर इंटरनेट सेवा बहाल कर दी जाएगी। इस तकनीकी खराबी के कारण शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ा। पीयू प्रशासन ने इस पर बीएसएनएल पर सख्त आपत्ति जताई और कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए बीएसएनएल को आवश्यक तकनीकी निरीक्षण और समयबद्ध निगरानी बढ़ाने का परामर्श दिया गया है। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय में इंटरनेट सेवा के सुचारू एवं सतत संचालन के लिए बीएसएनएल से अपेक्षा की है कि वह विश्वविद्यालय परिसर में निर्बाध और स्थायी इंटरनेट सेवा की गारंटी सुनिश्चित करे।

यातायात माह के दौरान बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाते पुलिस कर्मियों व आमजन का काटा गया चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में आज बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाते पुलिस कर्मियों व आमजन का चालान काटा गया । कूल 717 वाहनों का चालान व 12 वाहन को सीज किया गया। आज दिनांक 20.11.2025 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा तिराहाओं पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी । तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में

जागरुक किया गया । साथ ही बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाते पुलिस कर्मियों व आमजन का चालान काटा गया व हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 717 वाहनों का चालान व 12 वाहन को सीज किया गया। यातायात माह में दिनांकः 20.11.2025 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही, कुल चालान संख्याः--717, बिना, हेलमेट वाहन चलानाः--529, बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः--15, तीन सवारी वाहन चालानाः--43, यातायात नियमों का उल्लंघनः--9, मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः--8, खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-6, वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः--4, बिना डी0एल0 वाहन चलानाः--5, वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः--2 नो पार्किंगः--74, शेष अन्य धारा मेः-22।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

◆ सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मऊ जिले की चर्चित घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोसी विधानसभा से सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक जताया है और उनकी आत्मा की शांति की कामना की है। अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा कि घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक श्री सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुःखद ' ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। भावभीनी श्रद्धांजलि! सुधाकर सिंह का 67 साल की उम्र में निधन हुआ है। शुरूआती जानकारी मिली है कि 17 नवंबर को दिल्ली में मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी के रिसेप्शन से लौटने के बाद उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें मंगलवार को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया था। लखनऊ के मेदांता अस्पताल में गुरुवार सुबह उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

घर घर नहीं पहुंच रहे हैं बीएलओ, एसआईआर फार्म के लिए भटकने को मजबूर लोग

◆ सबसे अधिक समस्या महिलाओं को

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उतरशक्ति)। इस समय उत्तर प्रदेश में मतदाता गहन पुनारिक्षण का कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। बहुत से जगहों पर फार्म भरने को लेकर भरम की भी स्थिति है। जिसे शोसल मीडिया पर लोग फार्म भरने के तरीकों का लोहा उदाहरण सहित साझा कर रहे हैं। प्रशासन भी सहयोग कर रहा है। मगर जमीनी हकीकत कुछ और है। प्रशासन का स्पष्ट निर्देश है की बीएलओ घर घर पहुंच कर जिनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट और 2005 कई मतदाता सूची में नाम है। उनका एसआईआर फार्म उसको देकर फार्म भरवाकर जमा करें और एक रिसिविंग भी दें।

मगर नगर के कुछ मुहल्लों में बीएलओ अभी तक घर नही पहुंचे जिससे लोगो मे उहापोह की स्थिति बनी हुई है। खासकर महिलाओं में लोगों को फार्म भरते और जानकारी देते दिखाई दिए।

जिनके घर कोई पुरुष सदस्य नही है या फिर जो अशिक्षित हैं।ऐसे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।और समय समय धीरे धीरे निकल रहा है।बहुत से मतदाता ऐसे हैं जिनका 2003 के लिस्ट में नाम है मगर 2005 की मतदाता सूची में नाम नही है। कहीं कहीं जागरूक लोग और समाजसेवी इस सम्बंध में जब उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव से बात की गई तो उन्होंने कहा की बीएलओ हर घर जा रहे हैं। सुपर वाइजर को भी लगाया गया है। अगर कहीं कोई कमी नजर आरही है तो उसे दूर किया जाएगा। उपजिलाधिकारी ने लोगों से अपील किया की जो जागरूक लोग हैं वो भी बीएलओ का सहयोग करें।और जो लोग फार्म नही भर पा रहे हैं। ऐसे लोगों का फार्म भरवाकर अपने बीएलओ को जमा कर दें।

क्विज, पोस्टर मेकिंग अवेयरनेस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अलिवस लाइफ साइंसेज की प्लेसमेंट ड्राइव फरवरी-मार्च 2026 में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अलिवस लाइफ साइंसेज लिमिटेड (पूर्व में ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज लिमिटेड) द्वारा जागरूकता एवं करियरझउन्मुख कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी ने इस अवसर पर घोषणा की कि वह फरवरीझमार्च 2026 में विश्वविद्यालय परिसर में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करेगी। इस जानकारी से छात्रों में उत्साह और उम्मीद का वातावरण देखा गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी ने क्विज प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग अवेयरनेस प्रोग्राम भी कराया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को फार्मास्यूटिकल उद्योग, एपीआई निर्माण, वैश्विक बाजार एवं उभरती तकनीकों से परिचित कराना था। छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। अलिवस लाइफ साइंसेज उच्च मूल्य वाले, नॉन-कमोडिटाइज्ड एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स (अढक्र) के विकास और निर्माण के लिए जानी जाती है। कंपनी कार्डियोवस्कुलर, सेंट्रल नर्वस सिस्टम, पेन मैनेजमेंट और डायबिटीज जैसी पुरानी (क्रॉनिक) थेरेपी में विशेषज्ञता रखती है तथा विश्व की शीर्ष 20 जेनेरिक कंपनियों के साथ सहयोग करती है।

कंपनी की ओर से सत्याम चौरसिया (कॉलेज लाइन-अप हेड) और श्री शिवम पांडेय (ट्रेनर) उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को फार्मा उद्योग की आवश्यकताओं,

कौशल विकास, करियर संभावनाओं और वैश्विक मांग के रुझानों पर विस्तार से जानकारी दी।

पूरा आयोजन सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में प्रो. राजेंद्र सिंह (राज्जू भैया) इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल साइंसेज फॉर स्टडी एंड रिसर्च में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के करियर निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर डॉ. नितेश जायसवाल, कार्यालय प्रभारी श्याम त्रिपाठी, छात्र सदस्य दिव्यांशु संजय, आयुष गुप्ता सहित अनेक छात्र उपस्थित रहे।

समाजसेविका के निधन पर शोक की लहर

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिरकोनी विकास खण्ड के मनहन गांव की समाजसेविका तारा देवी का 60 वर्ष की आयू मे बुधवार की रात को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही भारी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंच गए। ऊक्त गांव निवासी तारा देवी पत्नी शंकर प्रसाद पिछले दो दशकों से समाज के सभी वर्गों के मदद के लिए सदैव आगे रही।उनके इस कार्य से कई गाँव मे वह अपनी अलग पहचान बना चुकी थी।उनका अंतिम संस्कार सई नदी के मनहन घाट पर देर रात को किया गया। उनको मुखाग्नि उनके पति शंकर प्रसाद ने दिया।उनके आवास पर शोक प्रकट करने वालों में रमेश उपाध्याय, रामधनी कन्नौजिया, मोहन प्रसाद, दीपक कुमार, पंकज कुमार, आकांक्षा गौतम, चंदा देवी, मंजू देवी आदि रहे।

पालिताना में कम उम्र में आचार्य बनकर जैन मुनि परम पूज्य पन्यास लब्धिवल्लभ विजय इतिहास रचेंगे

मुंबई। जैनों के पावन तीर्थ पालिताना में 23 नवम्बर की सुबह एक अविस्मरणीय शुभ अवसर का साक्षी बनेगा–परम पूज्य पन्यास लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज को आचार्य पद प्रदान किया जाएगा। यह अद्वितीय कार्यक्रम पालिताना स्थित सिद्धवड महातीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित होगा।

परम पूज्य पन्यास भगवंत लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज वर्तमान में 37 वर्ष के हैं, किंतु उन्होंने मात्र आठ वर्ष की अल्पायु में दीक्षा ग्रहण की थी। उनके दीक्षा-पर्याय को अब 29 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इतनी कम उम्र में आचार्य पद प्रदान करने का यह सौभाग्य आचार्य श्रीमद् विजय रश्मीरत्नसूरिश्वरजी महाराज साहेब के वर्ध हस्तों से सिद्धवड तीर्थभूमि पर सम्पन्न होगा। पन्यासप्रवर लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज ने अपना साधु-जीवन अत्यंत मर्यादित संपर्क, संघ-कल्याण की सूक्ष्म निष्ठा और अध्ययन के प्रति अडिग भावना के साथ व्यतीत किया है। उनके जीवन में व्यक्ति नहीं, बल्कि संकल्प प्रमुख रहा है, और प्रसिद्धि से अधिक शांति व कार्यशीलता देखने को मिलती है। आचार्य पद प्रदान का यह शुभ अवसर 200 से अधिक साधुझसाध्वी वृंद की निश्रा में आयोजित होगा। इस अवसर के साक्षी बनने के लिए गुरु-भक्तों की भारी उपस्थिति रहने की संभावना है। समारोह की सूचना मिलते ही श्रावक-श्राविकाओं, उपासकों और संघजनों के हृदय में भद्रभाव और आदर की लहर दौड़ पड़ी है। यह पूरा समारोह शांति, शिस्त और गुरु परंपरा की गौरवमयी नम्रता के साथ सम्पन्न होगा।

शत्रुंजय गिरिराज की पावन पृष्ठभूमि में आचार्य पद-ग्रहण का यह ऐतिहासिक और मंगलमय अवसर 23 नवम्बर की शाम ठीक चार बजे सम्पन्न होगा। लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज प्रखर वक्ता हैं और अपनी वाणी व विचारों से आराधकों की आँखें नम कर देने के लिए जाने जाते हैं।

जयश्री नगर, विरार ईस्ट में लोगों को मिली राहत, नया ट्रांसफॉर्मर हुआ शुरू

विरार। विरार ईस्ट के जयश्री नगर क्षेत्र में बिजली समस्या से जूझ रहे नागरिकों को आखिरकार राहत मिली है। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से महावितरण की ओर से बार-बार बिजली बाधित रहने के कारण स्थानीय निवासी परेशान थे। नालासोपारा के विधायक राजन नाईक के लगातार फॉलो-अप और प्रयासों के बाद महावितरण ने इलाके में नया ट्रांसफॉर्मर लगाने का काम पूरा कर लिया। आज स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में नए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया गया। इस नई सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति अधिक सुचारू, स्थिर और बाधारहित होने की उम्मीद है। लंबे समय से परेशान रहे लोगों ने इस कार्य के लिए संतोष और राहत व्यक्त की। विधायक राजन नाईक ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग और धैर्य के लिए दिल से धन्यवाद दिया और भरोसा दिलाया कि ऐसी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

बिंद समाज विकास संघ कार्यकताओं को करेगा सम्मानित

मुंबई (उत्तर शक्ति) रविवार को कृष्णा जेजुरकर क्लासेस पर्ल सेंटर बिल्डिंग नियर दादर भाजी मार्केट सेनापति बापट मार्ग दादर वेस्ट मुंबई 28, में दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक बिंद समाज विकास संघ द्वारा कार्यकर्ता एवं सहयोगीगणों का समाज रत्न, सम्मान चिन्ह, से सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों को सम्मानित।

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद ने बताया कि बिंद समाज विकास संघ को पूरे भारत में इन्हीं कार्यकाओं के द्वारा हर जगह हर समय समाज एवं गैर समाज के लोगों की मदद करते रहना उनके साथ सुख-दुख में शामिल रहना हर प्रकार के सहयोग में लगे रहना छात्र-छात्राओं के भविष्य के निर्माण के लिए समय-समय पर विद्यालय एवं कॉलेज में जाकर प्रोत्साहन एवं शिक्षा संबंधी सामग्रियों का वितरण करना लगातार बिंद समाज विकास संघ काम कर रहा है तो ऐसे कार्यकताओं को सम्मानित करने के लिए बिंद समाज विकास संघ ने यह कार्यक्रम रखा हुआ है सभी कार्यकताओं से विनम्र निवेदन है कि समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

अनुपस्थित रहने वाले छात्र वार्षिक परीक्षा से होंगे वंचित

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के निर्देश के आलोक में वार्षिक माध्यमिक व वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं की सेंटअप परीक्षा बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडलीय व ग्रामीण उच्च में विभिन्न परीक्षा केद्रो पर चल रही है। परीक्षा दो पालियो में चल रही है। प्रथम पाली की परीक्षा 9.30 से 12.45 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा दो से 5.15 बजे तक चल रही है। माध्यमिक की सेंट अप परीक्षा में प्रथम दिन प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान द्वितीय पाली में द्वितीय विज्ञान की परीक्षा हुई. वहीं इंटरमीडिएट में प्रथम पाली में गणित , द्वितीय पाली में बायोलॉजी की परीक्षा हुई परीक्षा का जायजा लेते बी इ ओ राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि परीक्षा का जायजा लिया गया। बताया कि सभी विद्यालयों में परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संचालित हो रही है ।यह परीक्षा वार्षिक परीक्षा के तर्ज पर हो रही है। परीक्षा में बोर्ड द्वारा प्रश्न पत्र उपलब्ध कराये गए है। जिसमें वार्षिक परीक्षा के तर्ज पर प्रश्न दिगए हैं, परीक्षा समाप्ति के बाद उत्तरपुस्तिकाओं की जांच विद्यालय स्तर पर जांच होगी ।रिजल्ट बनने के बाद मार्क्स फाइल बोर्ड को भेजी जाएगी। बी इ ओ ने बताया कि परीक्षा में अनुपस्थित होने वाले छात्रों या असफल छात्रों का प्रवेश पत्र बोर्ड से निर्गत नहीं किया जाएगा। लिहाजा वे वार्षिक परीक्षा में बैठने से वंचित हो सकते है।

टेकटेक्सटिल इंडिया 2025 की जोरदार शुरूआत

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत के प्रीमियर ट्रेड फेयर, टेकटेक्सटिल (टेकटेक्सटाइल) इंडिया 2025 की शुरूआत आज बांबे एक्जिबिशन सेंटर में हो गई। 19 नवंबर से 21 नवंबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय एक्जिबिशन में दुनिया- देश भर के 215 एक्जिबिटर हिस्सेदारी कर रहे हैं। इनमें 80 एक्जिबिटर ऐसे हैं जो पहली बार इस एक्जिबिशन में हिस्सेदारी करेंगे जहां टेक्सटाइल वैल्यू चेन से जुड़ी 12 आधुनिक कार्यप्रणाली पर आधारित टेक्सटाइल सेगमेंट के साक्षी बनेंगे। टेकटेक्सटिल के इस 10वें संस्करण का आयोजन, मेसे फ्रेंकफर्ट ट्रेड फेयर्स इंडिया के सौजन्य से किया जा रहा है जिसमें टेकनिकल टेक्सटाइल्स, नॉन औवेन और कांपोजिट्स का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। शो के उद्घाटन समारोह में टेक्सटाइल जगत की जानीमानी हस्तियां शामिल हुईं जिनमें-गेस्ट आफ आनर- तमिलनाडू सरकार के टेक्सटाइल विभाग की डायरेक्टर आफ टेक्सटाइल, श्रीमती आर ललिता, आई.ए.एस, प्रमोद खोसला, मेंबर आफ कमेटी आफ कमेटी, दी मैनमेड एंड टेक्निकल टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (मेटएक्सिल)। इंडियन टेक्सटाइल्स एसोसिएशन(आईटीटीए) के चेयरमैन महेश कुडव. मेसे फ्रैंकफर्ट जीएमबीएच के टेक्निकल टेक्सटाइल्स एंड प्रोसेसिंग, ब्रैंड मैनेजमैंट की डायरेक्टर सुश्री सैबिन शाहर और मेसे फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर और बोर्ड मेंबर राज मानेक.

कार्यक्रम में हिस्सा लेने आईं गेस्ट आफ आनर और तमिलनाडू सरकार के डायरक्टरेट आफ टेक्सटाइल की डायरेक्टर आफ टेक्सटाइल्स श्रीमती आर. ललिता, आईएएस ने कहा, टेकटेक्सटील इंडिया 2025 एक्सपो की भूमिका जानेमाने इनोवेटरों, नीतिनिमार्ताओं और कंपनियों को एकसाथ जोड़ने की रही है, ताकि टेक्सटाइल जगत के विकास को लेकर उचित नीतियां तैयार की जा सकें। इस अवसर पर बोलते हुए मेसे फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर और बोर्ड मेंबर राज मानेक ने कहा- भारत सरकार के अच्छे सहयोग, तकनीकी विकास और वैश्विक स्तर पर बढ़ रही सस्टेनेबल मैटिरीयल्स की मांग के चलते भारत के टैक्सटाइल इंडस्ट्री में व्यापक बदलाव देखने में आ रहे हैं। टेकटेक्सटिल इंडिया 2025 के तीन दिन चलने वाले इस विशाल आयोजन में, न सिर्फ अत्याधुनिक टेक्निकल टेक्सटाइल और नान-ओवन देखने-समझने का अवसर मिलेगा बल्कि, यहां आने वाले लोगों की जानकारी भी बढ़ेगी जब नीतियों को जमीन पर लाने का तेज प्रयास चल रहा है।

जव्हार नगर परिषद में भाजपा का विजय संकल्प, डॉ. सांवरा ने भरा उत्साह

जव्हार, पालघर। जव्हार नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने आज शक्ति प्रदर्शन के साथ अपना विजय संकल्प जताया। पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सावरा, भाजपा जिला अध्यक्ष भरतभाई राजपूत और विधायक हरिश्चंद्र भोये की उपस्थित में भाजपा की महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती पूजा कुणाल उदावंत ने भारी उत्साह के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार उत्साह और समर्थन का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. हेमंत सावरा ने कहा कि जव्हार के समग्र विकास, पारदर्शी प्रशासन और नागरिकों के विश्वास को केंद्र में रखकर भाजपा ने यह निर्णायक कदम उठाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा की सरकार ही नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा कर सकती है और जव्हार को विकास की नई दिशा दे सकती है। भाजपा नेताओं का कहना है कि पार्टी की विकासोन्मुखी नीतियों और स्थानीय नेतृत्व की मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर इस बार जव्हार नगर परिषद में भाजपा की विजय सुनिश्चित है। जव्हार के प्रगति पथ पर आगे बढ़ने के लिए यह नामांकन भाजपा की ओर से एक सशक्त और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारतीय मिशनों के सहयोग से साइबर फ्रॉड में फंसे 269 नागरिकों की घर वापसी

नई दिल्ली/ मुंबई। दक्षिण-पूर्व एशिया में साइबर अपराध से जुड़े धोखाधड़ी केंद्रों में फंसे भारतीयों की रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के भारत सरकार के प्रयास निरंतर जारी हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास और चियांग माई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने 18 नवंबर को भारतीय वायु सेना की दो विशेष उड़ानों द्वारा थाईलैंड के सीमावर्ती शहर माई सोत से 11 महिलाओं सहित 269 भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी में मदद की है। थाईलैंड व म्यांमार स्थित भारतीय मिशनों द्वारा थाईलैंड सरकार की विभिन्न एजेंसियों के साथ निकट समन्वय से यह कार्य संचालित किया गया। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास और चियांग माई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने रॉयल थाई सरकार और थाईलैंड के टाक प्रांत के प्रशासन की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी में मदद की। ये भारतीय नागरिक कथित तौर पर म्यांमार के म्यावाड्डी में धोखाधड़ी केंद्रों में शामिल थे और हाल ही में इन केंद्रों पर हुई छापेमारी के बाद रिहा हुए हैं। थाईलैंड और म्यांमार स्थित भारतीय दूतावास म्यांमार में बड़ी संख्या में चल रहे धोखाधड़ी केंद्रों के चंगुल में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए दोनों सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारतीय मिशनों ने दक्षिण-पूर्व एशिया में पिछले करीब एक वर्ष के दौरान साइबर फ्रॉड में फंसे 1300 से अधिक भारतीय लोगों को स्वदेश वापस भेजने में कामयाबी हासिल की है, जिनमें इस हालिया घटनाक्रम के अलावा इस महीने की शुरूआत में हुई 270 नागरिकों की स्वदेश वापसी भी शामिल है। बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे विदेश में नौकरी के प्रस्ताव स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की साख की पुष्टि करें और भर्ती एजेंटों और कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करें। इसके अलावा, भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए थाईलैंड में वीजा मुक्त प्रवेश केवल पर्यटन और लघु व्यवसाय उद्देश्यों के लिए है और इसका थाईलैंड में रोजगार पाने के लिए दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी योगशास्त्र कोर्सेज के जरिए भारत के प्राचीन ज्ञान को कर रहा है पुनर्जीवित

मुंबई। सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी भारतीय ज्ञान प्रणाली पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश के उच्च शिक्षा परिवेश को सशक्त बनाने के प्रयास जारी रखे हुए है। युनिवर्सिटी- केजे सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ धर्मा स्टडीज के तहत योगशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, प्राचीन भाषा एवं साहित्य तथा धार्मिक अध्ययन में कई प्रोग्राम लेकर आई है, जो 21वीं सदी की इंटेलेक्चुअल जरूरतों को पूरा करते हुए भारत की सभ्यता पर आधारित जरूरी ज्ञान प्रदान करते हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली में अनुसंधान एवं अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त यह संस्थान देश के कुछ ही सेंटरों में से एक है, जो आधुनिक अनुसंधान में संस्कृत, पाली, प्राकृत, हिंदु अध्ययन, जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म के अध्ययन को शामिल करते हैं।

संस्थान का बहु-विषयक दृष्टिकोण दर्शनशास्त्र, पुरातत्व, भाषा विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान एवं सांस्कृतिक इतिहास से प्रेरित है- यह छात्रों को उन विचारों, परम्पराओं एवं प्रथाओं के अध्ययन में सक्षम बनाता है, जिन्होंने भारतीय एवं वैश्विक विचारों को आकार दिया है। संस्थान नालंदा अध्ययन के लिए प्रतिष्ठित दलाई लामा चेयर की मेजबानी भी करता है। दलाई लामा ने अपने नोबेल पुरस्कार का एक अंश इस चेयर के लिए समर्पित किया था, जिससे बौद्ध धर्म एवं अंतरधार्मिक संवाद को बढ़ावा मिलता है। संस्थान ने गोदरेज आर्काइव्स, कैवल्यधाम योगा इंस्टीट्यूट और डिपार्टमेन्ट ऑफ हेरिटेज, तेलंगाना के साथ साझेदारियां भी की हैं। इन साझेदारियों के माध्यम से छात्रों को विभिन्न डोक्युमेंटेशन परियोजनाओं, अनुसंधान सम्मेलनों और सांस्कृतिक विनिमय प्रोग्रामों में हिस्सा लेने के अवसर मिलते हैं।

बिहार की पहली वैज्ञानिक मधु उत्पादन और जैव विविधता परियोजना का मधेपुरा में शुभारंभ

मधेपुरा। बिहार में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मधेपुरा जिले के रामगंज गांव में राज्य की पहली वैज्ञानिक मधु उत्पादन एवं जैव विविधता पुनर्स्थापन परियोजना की शुरूआत की गई। यह पहल सीएसआईआर फ्लोरिकल्चर मिशन झ फेज 2 के तहत चल रही है, जिसे सीएसआईआर - नेशनल बॉटैनिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, लखनऊ द्वारा रामालय फाउंडेशन के सहयोग से लागू किया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम में जिला प्रशासन, ब्लॉक विकास विभाग, वन विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। तकनीकी सहयोग जीविका (कुमारखण्ड) के ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज कुमार और मधुमक्खी वाला इंडस्ट्री, लखनऊ के संस्थापक निमित सिंह ने प्रदान किया। जिला उपायुक्त तरणजोत सिंह, आईएएस ने पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आमदनी बढ़ाने वाली इस पहल की सराहना की। उन्होंने परियोजना स्थल का दौरा करने और किसानों व वैज्ञानिकों से संवाद करने की इच्छा जताते हुए पूर्ण प्रशासनिक समर्थन का आश्वासन दिया। रामालय फाउंडेशन के संस्थापक प्रशांत कुमार ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य एक आत्मनिर्भर मॉडल तैयार करना है, जो जैव विविधता को बढ़ाए और किसानों की आय में वृद्धि करे। सीएसआईआरझएनबीआरआई की वैज्ञानिक टीम डॉ. सुशील कुमार, डॉ. बिकरमा सिंह और प्रोजेक्ट एसोसिएट प्रभात मौर्य–परियोजना के प्रशिक्षण और तकनीकी कार्यान्वयन की देखरेख करेंगे।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एबिटा 82.8 करोड़ रुपये, सालाना आधार पर 27.6% की वृद्धि

मुंबई। अग्रणी प्रेसिजन इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (कंपनी या बीएफआईएल) ने 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही एवं छमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। बीएफआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जसपाल सिंह चंदोक ने प्रदर्शन के बारे में कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में परिचालन से राजस्व 299.5 करोड़ रुपये रहा, जो साल भर पहले से 34.4 फीसदी अधिक है। तिमाही के दौरान 27.6 फीसदी एबिटा मार्जिन के साथ एबिटा 82.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि पीएटी 65 करोड़ रुपये रहा, जो 21.5 फीसदी मार्जिन दिखाताहै। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के लिए परिचालन से प्राप्त राजस्व 532.7 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही की तुलना में 33.8 फीसदी अधिक है। इसी तरह एबिटा 155.1 करोड़ रुपये और पीएटी 126.1 करोड़ रुपये रहा यह प्रदर्शन स्थिर निष्पादन और बालू फोर्ज की एकीकृत विनिर्माण प्लेटफॉर्म की निरंतर मजबूती बताता है। कर्नाटक के हट्टारगी में ग्रीनफील्ड संयंत्र योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और हमारी निरंतर विस्तार योजनाओं का केंद्र बिंदु बना हुआ है. यह प्लांट एक ही सेटअप में कैप्टिव फोर्जिंग और प्रेसिजन मशीनिंग को एकीकृत करता है, जिससे दक्षता और उत्पादन में सुधार होता है। 25-टन क्लोज्ड-डाई फोर्जिंग हैमर, 8,000-टन मैकेनिकल प्रेस और ऑटोमेटेड मशीनिंग लाइनों का कमीशनिंग निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है। पूरी तरह से चालू होने पर कुल फोर्जिंग और मशीनिंग क्षमताएं क्रमशः 150,000 टन और 80,000 टन प्रति वर्ष तक बढ़ जाएंगी। डिफेंस डिवीजन हमारा प्रमुख फोकस बना हुआ ह। खाली शेल के उत्पादन के लिए समर्पित फोर्जिंग और मशीनिंग लाइन कमर्शियलाइजेशन के चरण में है, जिसकी क्षमता 360,000 शेल प्रति वर्ष है। कंपनी को भारतीय रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों से वेंडर अप्रूवल मिले हुए है। कंपनी अपने उत्पादों में आर्टिलरी, बख्तरबंद वाहन तथा इंजन कंपोनेंट्स जोड़ रही है और इससे भारत के रक्षा विनिर्माण के इकोसिस्टम में अपनी भूमिका मजबूत कर रही है।

मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी और नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट ने व्यापक मॉल मैनेजमेंट कार्यक्रम लॉन्च किए

मुंबई। मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी और नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट ने एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत दोनों संस्थान मिलकर भारत के पहले व्यापक, उद्योग-उन्मुख मॉल मैनेजमेंट कार्यक्रम शुरू करेंगे। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते रिटेल और शॉपिंग मॉल सेक्टर के लिए कुशल पेशेवर तैयार करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। टङ्कव पर हस्ताक्षर दलिप सेहगल, सीईओ नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स, रोहन वासवानी, सी एच आर ओ नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स, प्रवेश दूदानी, संस्थापक एवं कुलाधिपति मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी और देवेंद्र के. सैनी, ग्रुप चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी की मौजूदगी में हुए।

इस साझेदारी के तहत नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स के 15 शहरों में

कार्यरत फ्रंटलाइन कर्मचारियों को मॉल मैनेजमेंट की पेशेवर ट्रेनिंग और उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा। इसमें शामिल हैं।

यह भारत का पहला डीप-स्पेशलाइजेशन डिग्री कार्यक्रम होगा जिसमें ऑपरेशंस, लीज़िंग, मार्केटिंग, ग्राहक अनुभव, ब्रांड पार्टनरशिप, सुविधा प्रबंधन और आधुनिक मॉल टेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर गहराई से प्रशिक्षण दिया जाएगा। दलिप सेहगल सीईओ नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट ने कहा, अरुन्या ऐसा अनोखा कार्यक्रम है जो सभी के लिए समान अवसर बनाने के हमारे विश्वास को मजबूत करता है। हमारे कई सहयोगियों को कभी औपचारिक शिक्षा का मौका नहीं मिला–यह कार्यक्रम उन्हें वह अवसर देता है, साथ ही मॉल मैनेजमेंट में पेशेवर कौशल भी विकसित करता है। शिक्षा के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की दिशा में कदम है।

प्रवेश दूदानी, संस्थापक एवं कुलाधिपति - मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी ने कहाः यह साझेदारी भारत के पहले उद्योग-समर्थित मॉल मैनेजमेंट डिग्री कार्यक्रमों की शुरूआत करती है। हमारा उद्देश्य ऐसे पेशेवर तैयार करना है जो न केवल मॉल को कुशलता से चला सकें, बल्कि भारत की बदलती उपभोक्ता अर्थव्यवस्था का नेतृत्व भी कर सकें। रोहन वासवानी ने कहा कि यह सहयोग भारत के बढ़ते मॉल सेक्टर के लिए विशेष प्रतिभा तैयार करेगा और छात्रों को रियल-टाइम उद्योग अनुभव देगा–चाहे वह रिटेल ऑपरेशंस हों, ब्रांड मैनेजमेंट या सतत विकास।

ठंड से अस्थामा, एलर्जी व निमोनिया के मरीज अपने को बचायें : डॉ राठौर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज ठंड का मौसम शुरू हो गया है ऐसे में बच्चे और बुजुर्गों के लिए यह मौसम खतरनाक होता है। बुजुर्गों में दमा यानी अस्थामा का लक्षण दिखें तो नजदीक के डॉक्टर से सलाह लें। जिन्हें पूर्व से दमा है, उन्हें ठंड से बचने की जरूरत है। उक्त बातें बिहार के सीवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडलीय शहर के जेनरल फिजिशियन डॉ अमरेंद्र कुमार राठौर ने मोहन बाजार स्थित आशीर्वाद कॉम्प्लेक्स में अपने क्लीनिक पर कही । बताया कि श्वास लेने में कठिनाई, बार बार सर्दी जुकाम के साथ छींक आना, धूल से बेचैनी व एलर्जी होना, नींद संबंधित समस्या होता हो, खांसी में खून आता हो ,काम करते समय या चलने में थकान हो तो डॉक्टर से जरूर सलाह लेने का सुझाव दिया।

शिक्षा ही हर दरवाजे की मास्टर चाबी है : बिन्दु बिंद

भदोही (उत्तरशक्ति)। नवयुग निर्माण बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ग्रामसभा फत्तूपुर अभोली, भदोही में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूरत महानगर से पधारीं बी.एस.वी.एस. संघ की महिला प्रदेश अध्यक्ष बिन्दु बिंद ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि ह्यशिक्षा हर मुश्किल रास्ते और हर दरवाजे की मास्टर चाबी है। शिक्षा के माध्यम से ही देश, समाज और व्यक्तिगत भविष्य का निर्माण एवं सर्वांगीण विकास संभव है। इस अवसर पर बिंद समाज विकास संघ एवं ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित युग निर्माण सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 एवं 2016 में भाग लेने वाले लगभग 1000 छात्र-छात्राओं में से प्रत्येक कक्षा के पांच श्रेष्ठ विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में साइकिल व अन्य उत्कृष्ट प्रतिभागियों को

स्कूल बैग, घड़ी, स्कूल प्रमाणपत्र तथा कई आकर्षक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई। बिंद समाज विकास संघ द्वारा लगभग 30 विद्यार्थियों को सम्मान प्रमाणपत्र देकर भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार, सहयोगी गण और स्नेही जनों का विशेष योगदान रहा। समारोह के दौरान मुख्य रूप से प्रधानाध्यापक रमाशंकर बिंद, संरक्षक राहुल बिंद, प्रबंधक बंशीधर बिंद, विपिन बिंद, विष्णु प्रताप, मनोज कुमार (दरोगा), विनोद कुमार बिंद, सुषमा बिंद, रेखा बिंद, सविता बिंद, सुमन बिंद, संजू यादव, अभोली ब्लॉक प्रमुख प्रियंका बिंद, भदोही जिला अध्यक्ष रमाशंकर बिंद, सूरत महानगर महिला अध्यक्ष बिंदु बिंद, युवासेना अध्यक्ष दिनेश कुमार बिंद, डॉ. हरिश्चंद्र बिंद, सूरत जिला सचिव चंद्रशेखर बिंद तथा अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी सम्मानित अतिथियों ने विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं।